'यत्र विश्वम्भवत्येकनीडम्'

संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

(School of Languages)

DEPARTMENTAL PROFILE

DR. HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA

(A Central University)

SAGAR (M.P.) - 470 003 INDIA

Website: www.dhsgsu.ac.in

IQAC Profile

आईक्यूएसी प्रोफाइल

क्रम-			पृष्ठ क्रमांक
विभाग का परिचय			03
Criterion	1 :-	Curricular Aspects.	**23**
मानदंड	1 :-	पाठ्यचर्या पहलू।	
Criterion	2 :-	Teaching-Learning and Evaluation.	**42**
मानदंड	2:-	शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन।	
Criterion	3 :-	Research , Innovations and Extension.	**49**
मानदंड	3 :-	अनुसंधान, नवाचार और विस्तार।	
Criterion	4 :-	Infrastructure and Learning Resources.	**77**
मानदंड	4 :-	बुनियादी ढांचा और सीखने के संसाधन।	
Criterion	5 :-	Student Support and Progression.	**90**
मानदंड	5 :-	छात्र सहायता और प्रगति।	
Criterion	6 :-	Governance, Leadership and Management.	**96**
मानदंड	6 :-	संचालन, नेतृत्व और प्रबंधन।	
Criterion	7 :-	Institutional Values and Best Practices.	98
मानदंड	7:-	संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम अभ्यास।	

Introduction

of

the Department

विभाग का परिचय (Introduction of the Department)

- **संक्षिप्त इतिहास** (Brief history)-

संस्कृत नाम दैवी वाग्

- डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) की स्थापना के साथ ही 1946 में संस्कृत विभाग स्थापित हुआ। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस विभाग ने संस्कृत के अकादमिक जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है डा.वी.एम.आप्टे संस्कृत विभाग के संस्थापक अध्यक्ष थे। प्रो.रामजी उपाध्याय और प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी के अध्यक्षीय कार्यकाल में प्राचीन और अर्वाचीन संस्कृत के तुलनात्मक समन्वयन के साथ –साथ कतिपय नवाचार को अध्ययन –अध्यापन और शोध के क्षेत्र में सम्मिलित किया गया। यह देश का प्रथम संस्कृत विभाग है जिसे आधुनिक संस्कृत के शोध और लेखन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का श्रेय प्राप्त है| संस्कृत विभाग को यह भी गौरव प्राप्त है कि डा.वनमाला भवालकर इस विश्वविद्यालय की प्रथम शिक्षिका रही हैं। नाट्यशास्त्र , संस्कृत – रंगमंच, भाषा विज्ञान, अभिनव काव्यशास्त्र , स्त्री –विमर्श, पर्यावरण आदि विषयों में नये शोध हुए हैं।
- संस्कृत विभाग में वर्ष 1994-2012 तक यू. जी. सी. द्वारा अनुदान प्राप्त महत्वपूर्ण शोध परियोजना डी .आर .एस- एस. ए. पी. के अंतर्गत संचालित होती रही है A वर्तमान समय में भी वृहद् शोध परियोजना आई.सी.एस.एस. आर. द्वारा संचालित हो रही है।
- संस्कृत विभाग में पाण्डुलिपि संसाधन केंद्र 2005 से स्थापित है जिसमें संस्कृत ,पालि, प्राकृत, हिन्दी, मराठी, उर्दू, बुन्देली आदि विविध भाषाओँ की महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियां संरक्षित हैं। जिसमे से 1500 पाण्डुलिपियां का डिजिटलाइजेशन हो चुका है A विभाग में एक समृद्ध पुस्तकालय भी है जिसमे लगभग 6000 पुस्तकें हैं।
- संस्कृत विभाग के द्वारा राष्ट्रीय महत्व की दो शोध पत्रिकायें सागरिका1965 से और नाट्यम् 1982 से नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं।

- **लक्ष्य** (Vision)-
    - लोक में संस्कृत भाषा एवं साहित्य का विस्तार।
    - संस्कृतनिष्ठ भारतीय संस्कृति के स्वरूप का उद्घाटन।
    - संस्कृत साहित्य सम्मत परम्पराओं का पुनरावलोकन एवं उनकी प्रासंगिकता।
    - वर्तमान में प्रासंगिक परम्पराओं को पाठ्यचर्या के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित करना।
    - मूल्यांकन परक शोध कार्य संपादन।
    - प्राप्त निष्कर्षों को सामाजिकों के साथ विभिन्न चर्चाओं में प्रस्तुत किया जाता है।

कार्ययोजना (Mission)**-**

- छात्रों में संस्कृत संभाषण के प्रति प्रोत्साहन।
- संस्कृत संभाषण पाठ्यक्रम को क्रियाशील बनाये रखना।
- संस्कृत लेखन के प्रति जागरुक करना।
- कार्यशाला, सेनीनार आदि आयोजित करना।

विशिष्ट उपलब्धियां (Distinguished festures/acheivements)- यह विभाग संस्कृत साहित्य के विविध आयामों में अपने महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान शोध कार्यों के लिए प्रसिद्ध है। विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा DRS-SAP के तहत 1994 से 2006 तक और फिर जुलाई 2007 से 2012 तक संस्कृत में महत्वपूर्ण शोध के लिए स्वीकृति दी गई थी। इसने डीआरएस-एसएपी के तहत कई बड़ी और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया है और बाद में इन परियोजनाओं को पुस्तक रूप में भी प्रकाशित किया गया है।

Coordinator, MRC

Prof. Anand Prakash Tripathi

- **विभाग का वैशिष्ट्य** (Uniqueness of the Department) – इस विभाग की एक विशिष्ट उपलब्धि पांडुलिपि संसाधन केंद्र (MRC) है, जिसमें लगभग छह हजार तक पांडुलिपियां संरक्षित हैं। विभाग ने पूर्व छात्रों की एक बड़ी श्रृंखला तैयार की है जो देश और दुनिया में भारतीय संस्कृति और साहित्य को संवर्धित करने में अपना प्रशंसनीय योगदान दे रहे हैं।
- (1) दस्तावेज़ीकरण - प्रलेखित डेटा शीट की संख्या: 90000, इलेक्ट्रॉनिक डेटा की संख्या: 85,000
- (2) डेटा शीट का विवरण: वेद, वेदांग, दर्शन, तंत्र, ज्योतिष, कर्मकांड, आयुर्वेद, काव्य, संत साहित्य आदि जैसे विभिन्न विषयों की भाषा ज्यादातर संस्कृत है। कुछ पांडुलिपियां हिंदी, मराठी, गुजराती और उर्दू में भी हैं।
- **प्रथम महिला शिक्षिका**- संस्कृत विभाग को प्रथम स्त्री प्राध्यापिका श्रीमती डॉ वनमाला भावलकर से सम्मन्न होने का गौरव प्राप्त है।
-

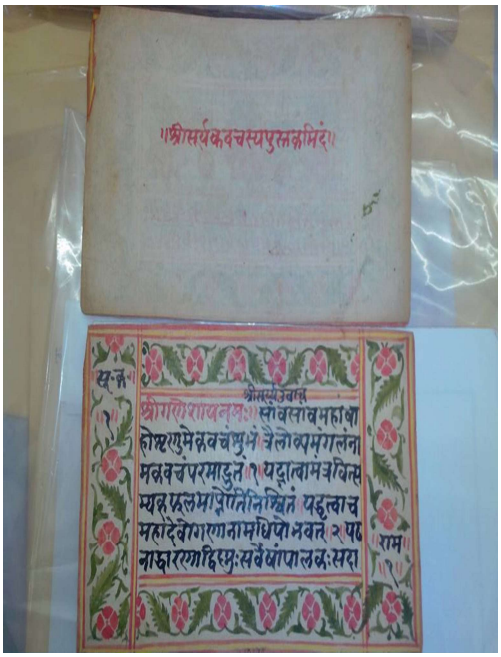
॥श्रीसूर्यकवचस्यपुस्तकमिदं॥

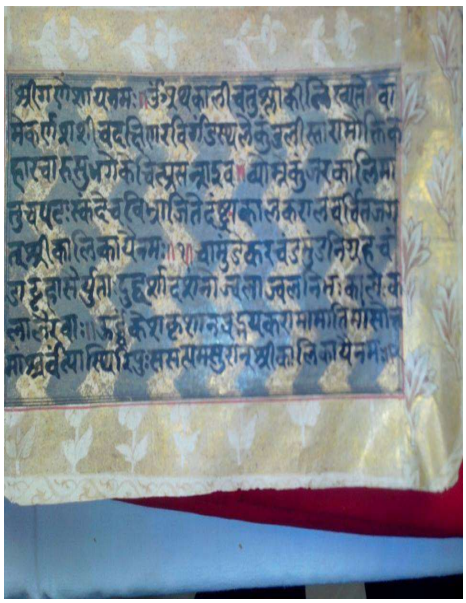

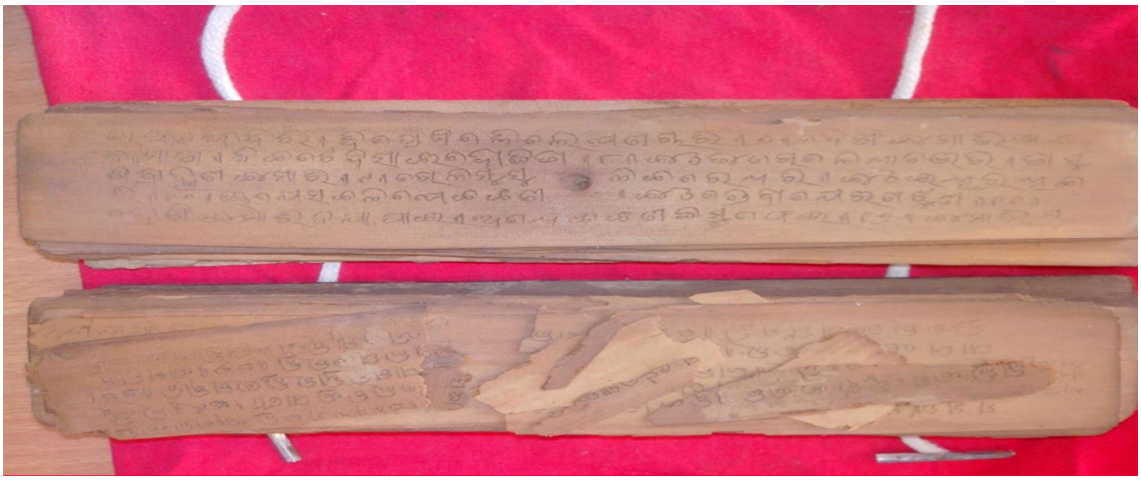

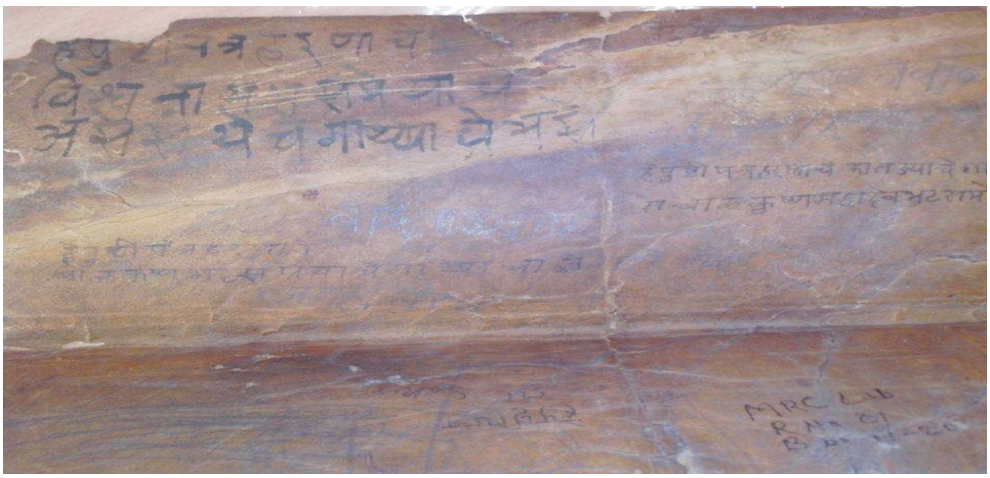

विभागाध्यक्ष

प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

- **पद** :- आचार्य एवं अध्यक्ष
- **योग्यता** :- एम.ए.,पी –एच .डी .& डी.लिट्.(हिंदी)
- **ईमेल** :- aptripathihindi@gmail.com
- **अध्यापन अनुभव** :- 36 वर्ष
- **शोध निर्देशन** :- 38
- **शोध क्षेत्र** :- कथा साहित्य ,लोक –साहित्य एवं आलोचना |
- **प्रकाशन** :-

  पुस्तकें – 15
- शोधलेख/आलेख - 115
- **संगोष्ठी** :- 65,
- **संयोजक** :- 05
- **पदक** :- एम.ए. में तीन स्वर्ण पदक
- **सम्मान** :- 03

संपादक :- शब्द शिखर , ईसुरी ,सागरिका एवं नाट्यम शोध पत्रिका

Faculty Profile

Present Teachers

Name of Teacher	Designation	Qualification	Specialization	
Dr. Naunihal Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Ramhet Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Buddhism	
Dr. Sanjay Kumar	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Culture	
Dr.Shashikumar Singh	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Kiran Arya	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Vyakaran & Veda	

Non Teaching Staff

Name	Designation	
Shri Nitin Shukla **Mob. No. 8435357714**	**LDC**	
Shri Pawan Namdev **Mob. N. - 7089681021**	**Peon**	
Shri Ramcharan Vishwakarma **Mob.No. 8878484058**	**Peon**	

Head of the Department in Past

No.	Name	Time
01	Dr. V. M. Apte	1947 - 1957
02	Prof. Ramji Upadhyay (President Awardee)	1957 -1980
03	Prof. R.V. Tripathi	1980 to 16.01.2002
04	Prof. Kusum Bhuria Datta	17.01.2002 to 17.01.2005
05	Prof. R.V. Tripathi	18.01.2005- 13.08.2008
06	Prof. Kusum Bhuria Datta	14.08.2008 - 01.09.2015
07	Prof. Anand Prakash Tripathi	01.09.2015- Till Date

Teachers in Past

S. No.	Name	From	To
01	*Dr. V. M. Apte*	*1947*	*1957*
02	*Prof. Ramji Upadhyay* (President Awardee)	*1947*	*1980*
03	Dr. Smt. Vanmala Bhavalkar (First lady Teacher of the University)	1946	1977
04	Dr. Adyaprasad Mishra	1948	1951
05	Dr. Vishwanath Bhattacharya (President Awardee)	1955	1969
06	Dr. Yogeshwar Pandey	1958	1976
07	Pt. Yamunashankar Shukla	1960	1976
08	*Prof. R.V. Tripathi* (President Awardee)	1973	2014
09	*Prof. Kusum Bhuria Datta*	1978	2015
10	Dr. Baal Shastri	1979	1998
11	Dr. Ganeshi Lal Suthar (President Awardee)	1984	1986
12	Dr. Achyutanand Dash	1990	2009
13	Dr. Asha Sarvate	1990	2004

शिखर व्यक्तित्व

(Legendry Personality)

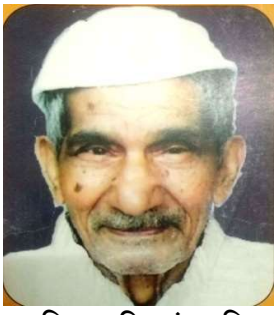

प्रो. रामजी उपाध्याय: संस्कृत विभाग के यशस्वी अध्यापक एवं अध्यक्ष प्रो.रामजी उपाध्याय देश में संस्कृत जगत के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व हैं। भारतीय संस्कृति, दर्शन और नाट्य साहित्य के आलोचक होने के साथ ही प्रो.उपाध्याय मौलिक उपन्यासकार एवं नाटककार के रूप में प्रतिष्ठित हैं | प्रमुख कृतियाँ - द्वासुपर्णा और सत्यहरिश्चंद्रोदयम (उपन्यास), कैकेयी – विजयम, सीताभ्युदयम, नन्दगौतमियम, अशोक –विजयम (नाटक), भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका ,भारत की सामाजिक संस्कृति ,विश्वमानव संस्कृति (आलोचना)।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी: संस्कृत विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) के कुलपति रहे हैं। संस्कृत जगत में उनकीपहचान एक प्रगतिशील सर्जक और अध्यापक की है। आलोचना,उपन्यास ,कहानी,नाटक.गीत,गजल,अनुवाद आदि अनेक विधाओं में आपकी अब तक लगभग दो सौ पुस्तकें प्रकाशित और चर्चित हुई हैं | उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, व्यास सम्मान सहित ४० से अधिक रास्ट्रीय एवं अंताराष्ट्रिय पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं। प्रमुख रचनाएँ -नाट्यशास्त्र विश्वकोश, लहरीं दशकम, संधानम, संस्कृत कविता की लोक धर्मी परम्परा, अन्यच्च, विक्रमचरितम, ताण्डवम आदि।

प्रो. विश्वनाथ भट्टाचार्य ने 1955-1969 तक संस्कृत विभाग अध्यापन कार्य किया |वे काव्यशास्त्र के मूर्धन्य विद्वान रहे थे | संस्कृत साहित्यालोचना और काव्यशास्त्र पर अनेक ग्रन्थ लिख कर उन्होंने संस्कृत सहित की समृद्धि में विशेष योगदान किया है |

डॉ. वनमाला भवालकर विश्वविद्यालय की पहली महिला शिक्षक थीं| उन्होंने संस्कृत संगीतकाओं, गद्य, रूपक, स्तोत्र और संस्कृत कविताओं आदि से संस्कृत साहित्य को समृद्ध किया है| प्रमुख रचनाएँ एकांकी नाटक- पाददण्ड: और अन्नदेवता,गीतनाट्य- सीताहरणम् तथा अनुदित नाट्य दीपदानम् ,द्रोपदी गद्य काव्य ,प्रेमोपहार: ,शुभाशीर्वचनम्, संस्कृत दिवस समारोह:,गौरोहरि: आदि कविताए|

प्रो. गणेशी लाल सुथार: आप 1984- 1986 तक संस्कृत विभाग में अध्यापक रहे । वैदिक साहित्य और दर्शन के क्षेत्र आपकी उपलब्धियाँ महत्वपूर्ण हैं प्रमुख रचनाएँ - श्रीमद्भगवदगीताविज्ञानभाष्यम्, शारीरक-विमर्श:, हिन्दू सभ्यता में नारियों की स्थिति आदि।

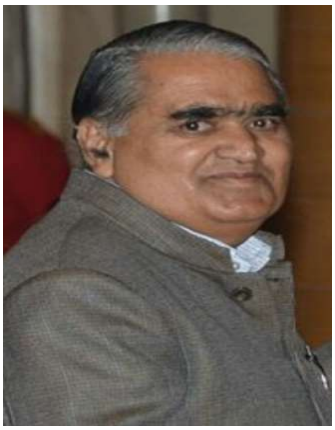

प्रो.अच्युतानन्द दाश: आपने 1990-2009 तक संस्कृत विभाग में अध्यापन कार्य किया। आप संस्कृत ,पालि और प्राकृत भाषा एवं साहित्य के विद्वान थे। व्याकरण और संगणकीय संस्कृत के क्षेत्र में आपका विशेष योगदान रहा है। विवेकार्थप्रकाशिकोपेत: एवं वाकत्रयी आपकी प्रमुख कृतियां हैं।

राष्ट्रपति पुरस्कार

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, 2015

प्रो. विश्वनाथ भट्टाचार्य, 2019

डॉ. प्रेमनारायण द्विवेदी, 2005

प्रो. रामजी उपाध्याय, 2007

प्रो. गणेशीलाल सुथार, 2014

अन्य पुरस्कार

डॉ. ऋषभ भारद्वाज,
व्यास पुरस्कार ,2015 म.प्र.

प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता,
राजा भोज पुरस्कार ,2015 म.प्र.

डॉ. सञ्जय कुमार,
विविध पुरस्कार ,2019 उ.प्र.

डॉ. सञ्जय कुमार,
विविध पुरस्कार ,2020 उ.प्र.

डॉ. नारायण दाश, महर्षि बादरायण व्यास,2009

डॉ.धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, महर्षि बादरायण व्यास,2012

प्रो. भागीरथी नन्द, साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार, 2012

विभागीय प्रकाशन

Departmental Publication

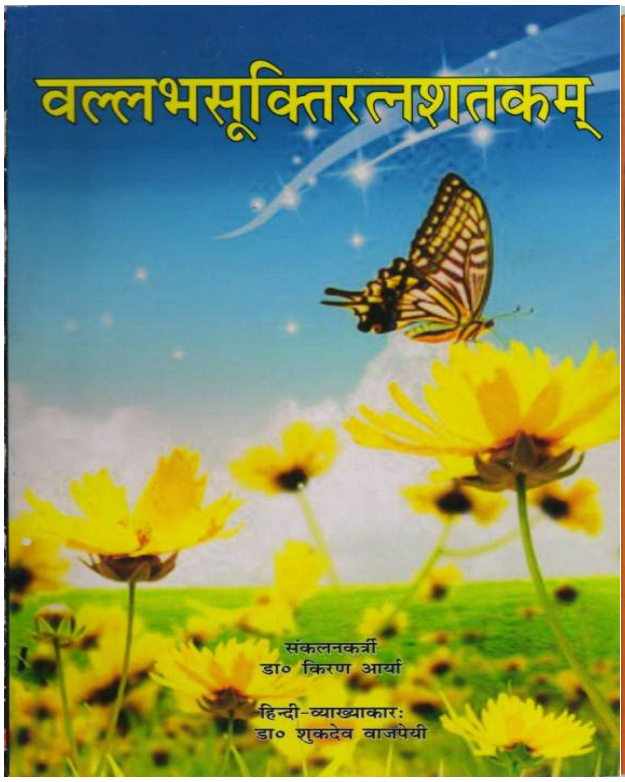
वल्लभसूक्तिरत्नशतकम्
संकलनकर्त्री
डा० किरण आर्या
हिन्दी-व्याख्याकार:
डा० शुकदेव वाजपेयी

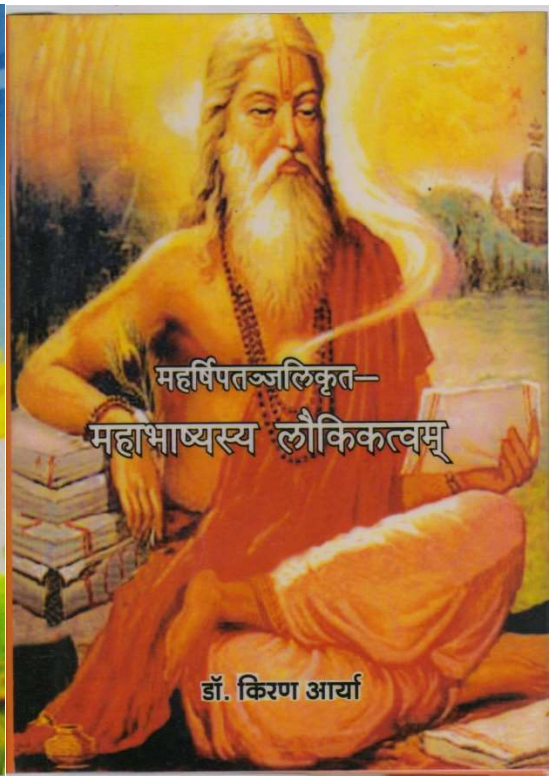
महर्षिपतञ्जलिकृत—
महाभाष्यस्य लौकिकत्वम्
डॉ. किरण आर्या

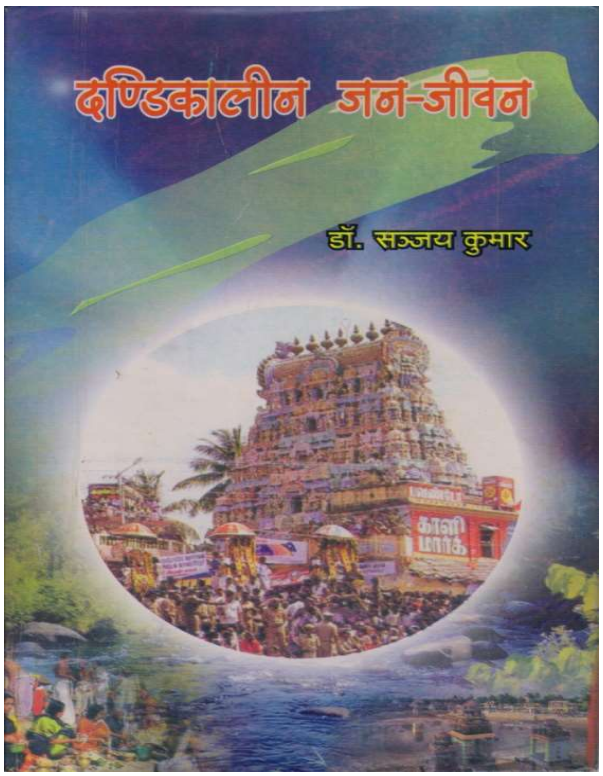
दण्डिकालीन जन-जीवन
डॉ. सञ्जय कुमार

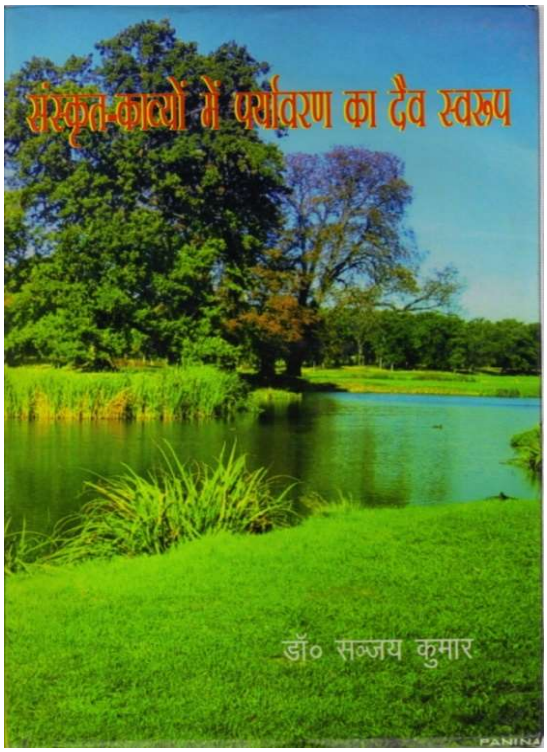
संस्कृत-काव्यों में पर्यावरण का दैव स्वरूप
डॉ० सञ्जय कुमार

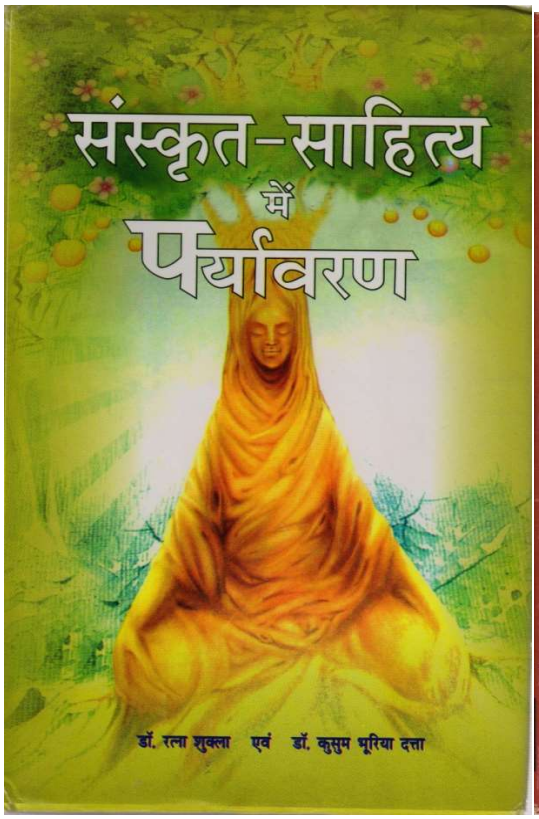
संस्कृत-साहित्य
में
पर्यावरण
डॉ. रत्ना शुक्ला एवं डॉ. कुसुम भूरिया दत्ता

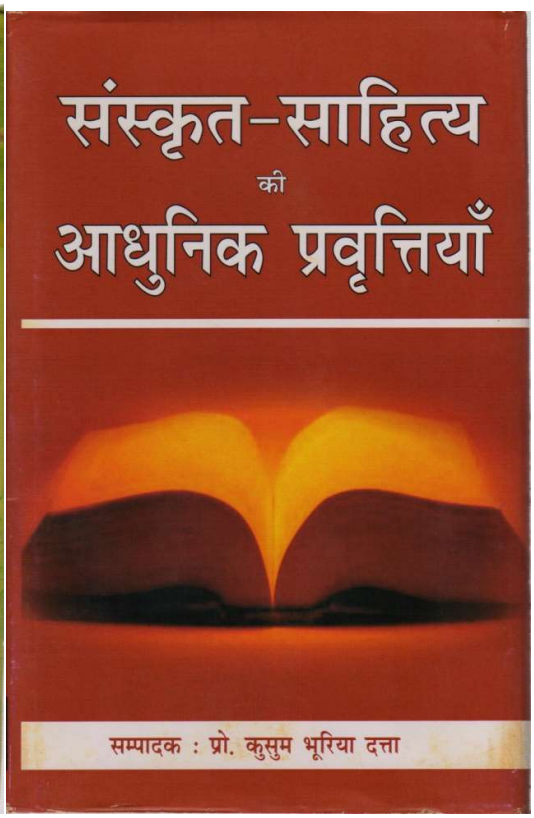
संस्कृत-साहित्य
की
आधुनिक प्रवृत्तियाँ
सम्पादक : प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता

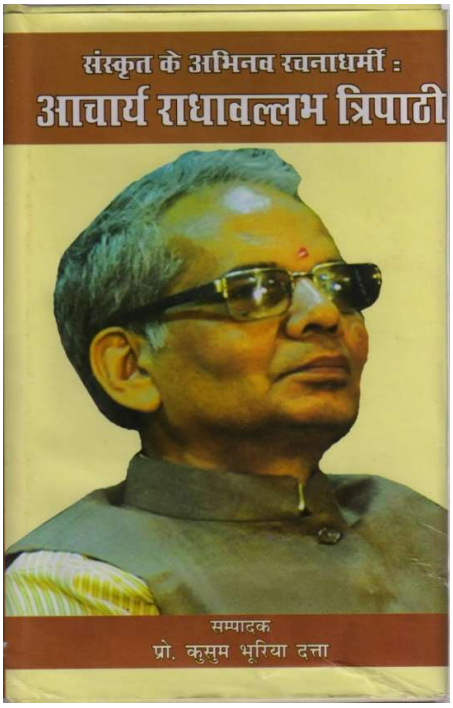
संस्कृत के अभिनव रचनाधर्मी :
आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी
सम्पादक
प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता

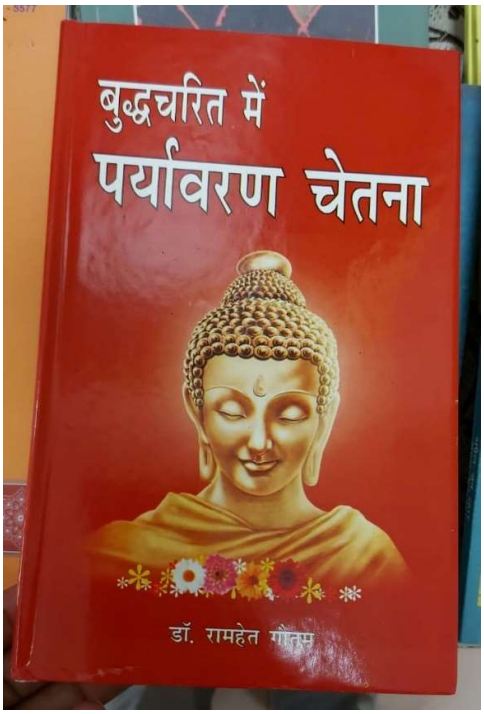
बुद्धचरित में
पर्यावरण चेतना
डॉ. रामहेत गौतम

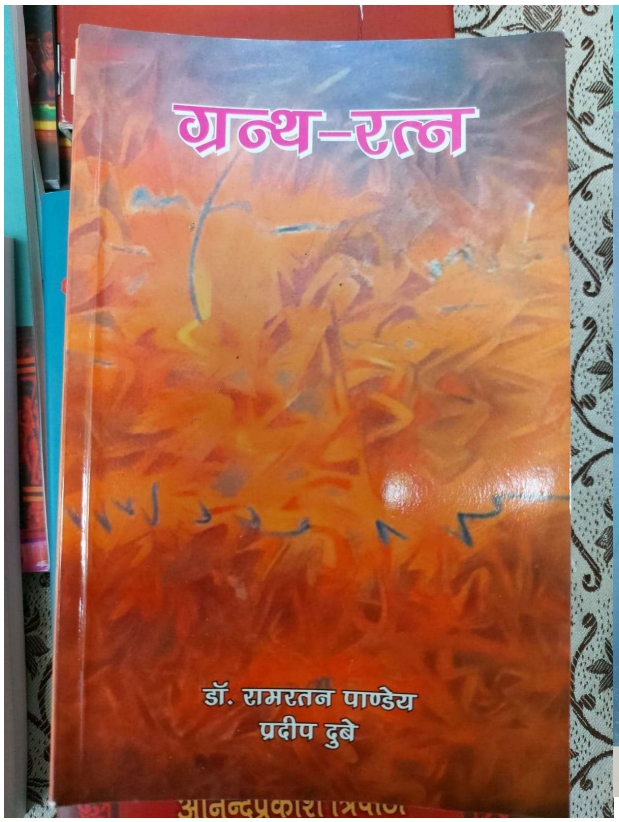
ग्रन्थ-रत्न
डॉ. रामरतन पाण्डेय
प्रदीप दुबे

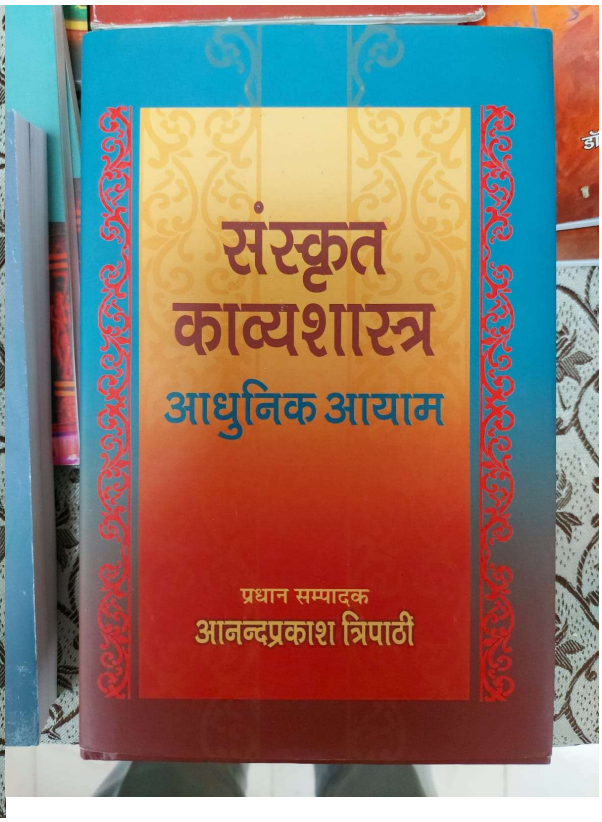
संस्कृत
काव्यशास्त्र
आधुनिक आयाम
प्रधान सम्पादक
आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

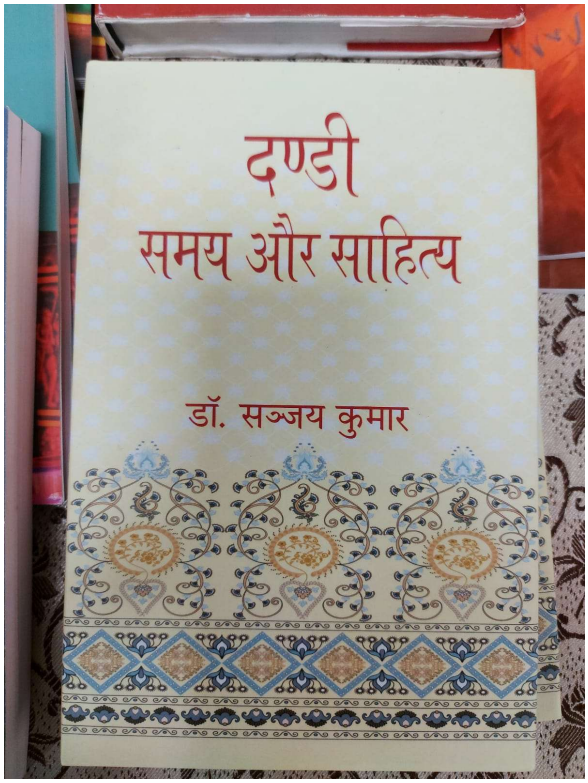
दण्डी
समय और साहित्य
डॉ. सञ्जय कुमार

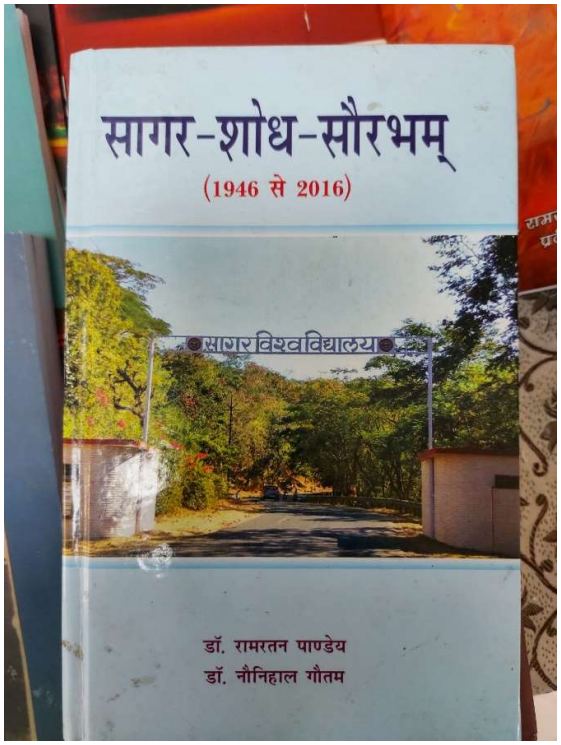
सागर-शोध-सौरभम्
(1946 से 2016)
सागर विश्वविद्यालय
डॉ. रामरतन पाण्डेय
डॉ. नौनिहाल गौतम

रोजगार की संभावनाएं

और

रोजगार की प्राप्ति

Scope and Placement

Scope and Placement

- **संभावनाएँ** - संस्कृत विषय के साथ पढ़ने वाले छात्रों के लिए बहुत सारे अवसर हैं। यूजी, पीजी और पीएचडी वाले छात्र संस्कृत में डिग्री विभिन्न नौकरियों के लिए उपयुक्त हैं। जैसे संस्कृत समाचार वाचक, अनुवादक, संपादक, सेना में जेसीओ (धर्म गुरु), शिक्षाविद, राजनेता आदि। छात्र संस्कृत के साथ पीएससी, आईएएस आदि परीक्षाओं में भी भाग ले सकते हैं। अधिकांश पास आउट स्कूल शिक्षा या उच्च शिक्षा यानी भारत में कॉलेजों, संस्थानों और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नियमित शिक्षकों के रूप में काम कर रहे हैं।

- **रोजगार प्राप्ति -**

1. डॉ. लाखन सिंह शाक्य, सहायक प्रोफेसर, उच्चशिक्षा म.प्र.।
2. डॉ. डी.पी. अहिरवार, सहायक प्रोफेसर, उच्चशिक्षा म.प्र.।
3. डॉ. अंजना पाठक, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
4. श्री बलभद्र ब्राह्मण, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
5. श्री अजय जैन, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
6. श्री मोहित जैन, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
7. डॉ. अनुराधा पटराय, म.प्र. में शिक्षिका। शिक्षा बोर्ड
8. श्री मनीष दुबे, प्लाटून कमांडर, 10वीं बटालियन, सागर (म.प्र.)
9. डॉ. (श्रीमती) सविता राय, सब-इंस्पेक्टर, एम.पी. पुलिस
10. सुनील अहिरवार (पुलिस कांस्टेबल)
11. कुमारी निकिता यादव, सहायक प्राध्यापक म.प्र. उच्च शिक्षा।
12. डॉ. नीरज शुक्ला, उ.प्र. टी.जी.टी.
13. डॉ. शिवपूजन, उ.प्र. टी.जी.टी.
14. डॉ. सत्य प्रकाश, उ.प्र. टी.जी.टी.
15. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक,
16. डॉ. प्रदीप दुबे, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
17. श्री रामप्रकाश, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
18. श्री दुर्गेश, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
19. श्री सूर्यकान्त, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
20. डॉ. मोहन लाल, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
21. श्री सत्येन्द्र दीक्षित, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
22. श्री जितेन्द्र मोहन कटारे, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
23. कुमारी शिल्पी, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक

1.

पाठ्यचर्या

(Curricular aspects)

1. पाठ्यचर्या (Curricular aspects)

- **संचालित पाठ्यक्रम** (Courses offered with intake details)
- **पाठ्यक्रम योजना** (Scheme of courses offered)

Programme	Duration	Eligibility
B.A.	3 Years (6 Semesters)	10+2 Passed
M.A.	2 Years (4 Semesters)	Graduation
Ph.D.	3 Years (Minimum) with 1 Semester Course Work	PG with 55% Marks
संस्कृत संभाषण	06 माह	12 उत्तीर्ण

Syllabus

UNDER GRADUATE COURSE FOR
SANSKRIT (PROGRAMME)

UNDER

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
(CBCS)

संस्कृत–विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विष्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

बी.ए. पाठ्यक्रम (कार्यक्रम) में चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के लिए प्रस्तावित योजना

PROPOSED SCHEME FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A. PROGRAMME

S,N.	मूल पाठ्यक्रम Core Course/Lang Course (06 क्रेडिट)	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) (02 क्रेडिट)	Skil Enhancement Course (SEC) (02 क्रेडिट)	Discipline Specific Elective (DSE) (06 क्रेडिट)	Generoc Elective (GE) (06 क्रेडिट)
I	**SAN-CC-111** संस्कृत काव्य **SAN-LN-111** (06 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com mifu"kn~ rFkk xhrk	**SAN- FC-111** (02 क्रेडिट) संस्कृत संभाषण B.A./B.Sc/B.Com			
II	**SAN-CC-211** (06 क्रेडिट) संस्कृत गद्य काव्य **SAN-LN- 211** (06 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com uhfr lkfgR;	**SAN- FC-211** (02 क्रेडिट) संस्कृत भाषा संप्रेषण B.A./B.Sc/B.Com			
III	**SAN CC-311** (06 क्रेडिट) **SAN-LN- 311** (06 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com उपनिषद् तथा गीता		**SAN-SE-311** (02 क्रेडिट) भारतीय रंगमंच		
IV	**SAN CC-411** (06 क्रेडिट) **SAN-LN- 411** (06 क्रेडिट) MIL Sanskrit B.A./B.Com नीति साहित्य		**SAN-SE-411** (02 क्रेडिट) योगसूत्र		

V			**SAN-SE-511** (02 क्रेडिट) आयुर्वेद के मूल तत्त्व	**SAN-EC-511** (6 क्रेडिट) संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म एवं संस्कृति **SAN-EC-512** (6 क्रेडिट) यक्तित्व विकास में भारतीय दृष्टिकोण	**SAN-GE-511** (6 क्रेडिट) संस्कृत छन्द एवं गान **SAN-GE-512** (6 क्रेडिट) संस्कृत में राजनीतिक विचार
VI			**SAN-SE-611** (02 क्रेडिट) ज्योतिष के मूल तत्त्व	**SAN-EC-611** (6 क्रेडिट) काव्यशास्त्र **SAN-EC-612** (6 क्रेडिट) संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता	**SAN-GE-611** (6 क्रेडिट) संस्कृत साहित्य में नैतिक विषय **SAN-GE-612** (6 क्रेडिट) संस्कृत भाषाविज्ञान के मूल तत्त्व

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम का नाम – ठण्।ण्
2. पाठ्यक्रम की अवधि
   (a) न्यूनतम अवधि –03 वर्ष
   (b) अधिकतम अवधि –05 वर्ष

3. पाठ्यक्रम की संरचना
   (a) कोर प्रश्नपत्रों की संख्या –12
   (b) AECC प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 02
   (c) SEC प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 04
   (d) DSE प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 04
   (e) GE प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या = 02

4. क्रेडिट संख्या –
   (a) कोर प्रश्नपत्र = 12 प्रश्नपत्र = 06 क्रेडिट = 72 क्रेडिट
   (b) AECC प्रश्नपत्र = 02 प्रश्नपत्र x 02 क्रेडिट = 04 क्रेडिट

(c) SEC **प्रश्नपत्र = 04 प्रश्नपत्र X 02 क्रेडिट = 08 क्रेडिट**

(d) DSE **प्रश्नपत्र = 04 प्रश्नपत्र X 06 क्रेडिट = 24 क्रेडिट**

(e) GE **प्रश्नपत्र = 02 प्रश्नपत्र X 06 क्रेडिट = 12 क्रेडिट**

कुल क्रेडिट = 120

5. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

6. सभी प्रश्नपत्र पांच इकाईयों में विभक्त होंगे।

7. इकाईयों में से यथायोग्य व्याख्यात्मक, दीर्घ एवं लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।

8. अंक विभाजन

मिड सेमेस्टर	–	20 अंक
आन्तरिक आकलन	–	20 अंक
सतत मूल्यांकन	–	20 20 त्र 40 अंक
सत्रान्त परीक्षा	–	60 अंक
प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल अंक	–	100 अंक

9. प्रदत्त कार्य का मूल्यांकन, प्रस्तुति – 15 अंक
   उपस्थिति – 05 अंक
   उपस्थिति के लिए अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे –

   i. 75: और न्यून. : 00 अंक
   ii. 75: और 80: तक : 01 अंक
   iii. 80: और 85: तक : 02 अंक
   iv. 85: और 90: तक : 03 अंक
   v. 90: और 95: तक : 04 अंक
   vi. 95: : 05 अंक

10. 75: से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं होगी।

11. सत्रान्त परीक्षा देने की पात्रता के लिए विद्यार्थियों की मिड सेमेस्टर परीक्षा तथा आन्तरिक आकलन में उपस्थिति अनिवार्य हैं।

12. **समवर्गी एवं सम्बद्ध विषय–** वेद, वेदांग, ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, व्याकरण, मीमांसा, नव्यन्याय, सांख्य योग, तुलनात्मक दर्षन, शुक्लयजुर्वेद, मध्ववेदान्त, धर्मषास्त्र, साहित्य, पुराणेतिहास, आगम

B.A. (Prog)

1. LNG

   Core Papers for Sanskrit
   (Any 2 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 12 Credits
   (Any 2 Paper From English) *6 Credits = 12 Credits

   Total = 24

2. DSC

   (4 Papers From Sanskrit) *6 Credits = 24 Credits
   (4 Papers From Other) *6 Credits = 24 Credits

   Total = 48

3. AECC (MIL / EVS)

   (Any 1 Paper From Sanskrit/ English) *2 Credits = 02 Credits
   (Any 1 Paper From EVS) *2 Credits = 02 Credits

   Total = 04

4. SEC

   (Any 2 Paper From Sanskrit) *2 Credits = 04 Credits
   (Any 2 Paper From Other) *2 Credits = 04 Credits

   Total = 08

5. DSE

   (Any 2 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 12 Credits
   (Any 2 Paper From Other) *6 Credits = 12 Credits

   Total = 24

6. GE

   (Any 1 Paper From Sanskrit) *6 Credits = 06 Credits
   (Any 1 Paper From Other) *6 Credits = 06 Credits

   Total = 12

Grand Total = 120 Credits

B. A. I Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	111	संस्कृत काव्य	5	1	0	6
SAN-LN	111	उपनिषद् तथा गीता	5	1	0	6
SAN-FC	111	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण	2	0	0	2

B. A. II Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	211	संस्कृत गद्य काव्य	5	1	0	6
SAN-LN	211	नीति साहित्य	5	1	0	6
SAN-FC	211	संस्कृत भाषा सम्प्रेषण	2	0	0	2

B. A. III Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	311	संस्कृत नाट्य	5	1	0	6
SAN-LN	311	उपनिषद् तथा गीता	5	1	0	6
SAN-SE	311	भारतीय रंगमंच	2	0	0	2

B.A. IV Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	411	संस्कृत व्याकरण	5	1	0	6
SAN-LN	411	नीति साहित्य	5	1	0	6
SAN-SE	411	योगसूत्र	2	0	0	2

B. A. V Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-SE	511	आयुर्वेद के मूल तत्त्व	2	0	0	2
SAN-EC	511	संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म एवं संस्कृति	5	1	0	6
SAN-EC	512	व्यक्तित्व विकास में भारतीय दृष्टिकोण	5	1	0	6
SAN-GE	511	संस्कृत छन्द एवं गान	5	1	0	6
SAN-GE	512	संस्कृत में राजनीतिक विचार	5	1	0	6

B. A. VI Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-SE	611	ज्योतिष के मूल तत्त्व	2	0	0	2
SAN-EC	611	काव्यशास्त्र	5	1	0	6
SAN-EC	612	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता	5	1	0	6
SAN-GE	611	संस्कृत साहित्य में नैतिक विषय	5	1	0	6
SAN-GE	612	संस्कृत भाषाविज्ञान के मूल तत्त्व	5	1	0	6

Syllabus for P.G. Classes

Core Courses

2020-2021

Class M.A. I/II/III/IV Sem.

12 Papers of 5 Credits Each = 60 Credits

Three Papers in each Semester

funsZ'k %

1. पाठ्यक्रम का नाम & M.A.
2. पाठ्यक्रम की अवधि
   (a) न्यूनतम अवधि –02 वर्ष
   (b) अधिकतम अवधि –03 वर्ष
3. पाठ्यक्रम की संरचना
   (a) कोर प्रश्नपत्रों की संख्या –12
   (b) विद्यार्थी द्वारा चुने गये ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या त्र 04
   (c) विद्यार्थी द्वारा चुने गये ओपन ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या त्र 02
4. क्रेडिट संख्या –
   (a) कोर प्रश्नपत्र त्र 12 प्रश्नपत्र ग 05 क्रेडिट — त्र 60 क्रेडिट
   (b) ऐच्छिक प्रश्नपत्र त्र 04 प्रश्नपत्र ग 04 क्रेडिट — त्र 16 क्रेडिट
   (c) ओपन ऐच्छिक प्रश्नपत्र त्र 02 प्रश्नपत्र ग 02 क्रेडिट — त्र 04 क्रेडिट
   ———————————————— कुल त्र 80 क्रेडिट
5. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।
6. सभी प्रश्नपत्र पांच इकाईयों में विभक्त होंगे।
7. इकाईयों में से यथायोग्य व्याख्यात्मक, दीर्घ एवं लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।
8. अंक विभाजन

मिड सेमेस्टर	–	20 अंक
आन्तरिक आकलन	–	20 अंक
सतत मूल्याकन	–	20 20 त्र 40 अंक
सत्रान्त परीक्षा	–	60 अंक
प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल अंक	–	100 अंक

9. प्रदत्त कार्य का मूल्यांकन, प्रस्तुति – 15 अंक
   उपस्थिति – 05 अंक

   उपस्थिति के लिए अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे –

   i. 75: और न्यून. : 00 अंक
   ii. झ 75: और 80: तक : 01 अंक
   iii. झ 80: और 85: तक : 02 अंक
   iv. झ 85: और 90: तक : 03 अंक
   v. झ 90: और 95: तक : 04 अंक
   vi. झ 95: : 05 अंक

10. 75: से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं होगी।
11. सत्रान्त परीक्षा देने की पात्रता के लिए विद्यार्थियों की मिड सेमेस्टर परीक्षा तथा आन्तरिक आकलन में उपस्थिति अनिवार्य हैं।
12. **समवर्गी एवं सम्बद्ध विषय–** वेद, वेदांग, ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, व्याकरण, मीमांसा, नव्यन्याय, सांख्य योग, तुलनात्मक दर्षन, शुक्लयजुर्वेद, मध्ववेदान्त, धर्मषास्त्र, साहित्य, पुराणेतिहास, आगम

M. A. I Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	121	वैदिक भाषा तथा साहित्य	5	0	0	5
SAN-CC	122	व्याकरण तथा भाषा विज्ञान	5	0	0	5
SAN-CC	123	दर्शन	5	0	0	5
SAN-EC	124	साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र	4	0	0	4
SAN-EC	125	विशेष कवि भवभूति	4	0	0	4
						19

M. A. II Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	221	महाकाव्य	5	0	0	5
SAN-CC	222	नाट्यशास्त्र एवं नाटक	5	0	0	5
SAN-CC	223	गद्य तथा चम्पू काव्य	5	0	0	5
SAN-EC	224	इतिहास तथा संस्कृति	4	0	0	4
SAN-EC	225	संस्कृत में पर्यावरण	4	0	0	4
SAN-OE	226	भारतीय काव्यशास्त्र	2	0	0	2
SAN-OE	227	भारतीय संस्कृति	2	0	0	2
						21

M. A. III Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	321	आर्षकाव्य एवं पुराण	5	0	0	5
SAN-CC	322	अर्थशास्त्र एवं धर्मशास्त्र	5	0	0	5
SAN-CC	323	साहित्य सिद्धान्त	5	0	0	5

SAN-EC	324	विशेष कवि कालिदास	4	0	0	4
SAN-EC	325	पाण्डुलिपि विज्ञान	4	0	0	4
SAN-OE	326	नाटयशास्त्र एवं रंगमंच	2	0	0	2
SAN-OE	327	संस्कृत संभाषण एवं अनुप्रयोग	2	0	0	2
						21

M.A. IV Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	421	उपनिषद् साहित्य	5	0	0	5
SAN-CC	422	काव्यशास्त्र	5	0	0	5
SAN-CC	423	आधुनिक काव्य	5	0	0	5
SAN-EC	424	उपन्यास, स्तोत्र, मुक्तक तथा सुभाषित	4	0	0	4
SAN-EC	425	संस्कृत में विज्ञान	4	0	0	4
						19

Grand Total = 80 Credits

Syllabus

Ph.D.

Sanskrit

2021-22

निर्देश :

10. पाठ्यक्रम का नाम – चैण्क्ण्

11. पाठ्यक्रम की संरचना
    (d) कोर प्रश्नपत्रों की संख्या –03
    (e) विद्यार्थी द्वारा चुने गये ऐच्छिक प्रश्नपत्रों की न्यूनतम संख्या त्र 01

12. क्रेडिट संख्या –

(d)	कोर प्रश्नपत्र त्र 03 प्रश्नपत्र ग 04 क्रेडिट	त्र 12 क्रेडिट
(e)	कोर प्रश्नपत्र त्र 01 प्रश्नपत्र ग 02 क्रेडिट	त्र 02 क्रेडिट
(f)	ऐच्छिक प्रश्नपत्र त्र 01 प्रश्नपत्र ग 02 क्रेडिट	त्र 02 क्रेडिट
	————————————	कुल त्र 16 क्रेडिट

13. प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

14. सभी प्रश्नपत्र पांच इकाईयों में विभक्त होंगे।

15. इकाईयों में से यथायोग्य व्याख्यात्मक, दीर्घ एवं लघु प्रश्न पूछे जाएंगे।

16. अंक विभाजन

मिड सेमेस्टर	–	20 अंक
आन्तरिक आकलन	–	20 अंक
सतत मूल्यांकन	–	20.20 त्र 40 अंक
सत्रान्त परीक्षा	–	60 अंक
प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल अंक	–	100 अंक

17. प्रदत्त कार्य का मूल्यांकन, प्रस्तुति – 15 अंक
    उपस्थिति – 05 अंक
    उपस्थिति के लिए अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे –

vii.	75: और न्यून.	:	00 अंक
viii.	झ 75: और 80: तक	:	01 अंक
ix.	झ 80: और 85: तक	:	02 अंक

x. झ 85: और 90: तक : 03 अंक

xi. झ 90: और 95: तक : 04 अंक

xii. झ 95: : 05 अंक

13. सत्रान्त परीक्षा देने की पात्रता के लिए विद्यार्थियों की मिड सेमेस्टर परीक्षा तथा आन्तरिक आकलन में उपस्थिति अनिवार्य हैं।
14. 75: से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं होगी।
15. कोर्स वर्क एक सेमेस्टर का होगा।

16. **समवर्गी एवं सम्बद्ध विषय–** वेद, वेदांग, ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, व्याकरण, मीमांसा, नव्यन्याय, सांख्य योग, तुलनात्मक दर्षन, शुक्लयजुर्वेद, मध्ववेदान्त, धर्मषास्त्र, साहित्य, पुराणेतिहास, आगम

Ph.D. I Sem. Sanskrit

Course	Code	Paper Title	L	T	P	C
SAN-CC	141	शोध प्रविधि	4	0	0	4
SAN-CC	142	पाण्डुलिपिविज्ञान	4	0	0	4
SAN-CC	143	साहित्य समीक्षा	-	-	-	4
SAN-EC	141	साहित्य एवं साहित्यशास्त्र	2	0	0	2
SAN-EC	142	वेद–वेदाङ्ग	2	0	0	2
RPE-CC-	141	Research and Publication Ethics	1	0	1	2
						16

- **पाठ्यचर्या प्रारूप और विकास (पाठ्यक्रम संशोधन विवरण, संशोधन की कसौटी आदि)** Curriculum design and development [syllabus revision details, criterion of revision etc.]

सत्र	संशोधित पाठ्यक्रम	संशोधन BoS मीटिंग दिनांक	BoS मिनट्स
2015-16	कोई संशोधन नहीं	---	----
2016-17	BA,MA,Certificate	10.10.2017	----
2017-18	कोई संशोधन नहीं	---	----
2018-19	कोई संशोधन नहीं	---	----
2019-20	कोई संशोधन नहीं	---	----

UG, PG, Phd, Certificate Course पाठ्यचर्या का प्रारूप संस्कृत के जीवनोपयोगी संदर्भों, प्रतियोगी परीक्षाओं को पाठ्यक्रमों को समायोजित किया गया है। समय-समय पर यथा आवश्यकता संशोधन किये जाते रहे हैं। दिनांक 09.10.2017 को आयोजित BoS संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश की वैठक में UG, PG, Phd, Certificate Course के पाठ्यक्रम संशोधित व अनुमोदित किये गये। संस्कृत साहित्य में राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाजचिन्तन, कानून व्यवस्था, व्यवसाय विमर्श आदि को भी समिलित किया गया है।

- **पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता-**

विभाग के द्वारा क्षेत्रीय गतिविधियों को ध्यान रखकर बी.ए, स्तर पर लागू पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ज्योतिष का प्रश्न पत्र भी सामिल किया गया है।

एम.ए. के पाठ्यक्रम में में ओपन इलेक्टिव के रूप में संस्कृत संभाषण, भारतीय संस्कति और पाण्डुलिपि विज्ञान के पाठ्यक्रम के अध्ययन एवं ज्ञान अध्यापन के द्वारा विज्ञान एवं मानविकी के विभिन्न विषयों में अध्ययरत छात्रों को संस्कृत भाषा का ज्ञान, देश की प्राचीन संस्कृति और पाण्डुलिपियों से परिचित कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

बी. स्तर पर संचालित संस्कृत के पाठ्यक्रम में योगसूत्र व आयुर्वेद का ज्ञान छात्रों को उपलब्ध है।

संचालित पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों के व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्य सृजन, संस्कृति एवं संस्कार ज्ञान, राष्ट्रीय एकता की भावना, वसुधैव कुटुम्बकम् आदि की राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तरीय प्रतिष्ठा से विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने में हम अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संस्कृत भाषा, साहित्य एवं दर्शन आदि से विद्यार्थियों एवं जनसामान्य को परिचित कराने में संस्कृत पाठ्यक्रम पूर्णतः प्रासंगिक है।

अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, दर्शन, इतिहास, रामकथा, बौद्ध साहित्य आदि संस्कृत में ही उपलब्द हैं जिससे न केवल भारतीय साहित्य वरन विश्वसाहित्य भी समृद्ध हुआ है।

- **पाठ्यक्रम संशोधन प्रतिशत-**

उन कार्यक्रमों का प्रतिशत जहां पिछले पांच वर्षों के दौरान पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया था (Percentage of Programmes where syllabus revision was carried out during the last five years) –

वर्ष	पाठ्यक्रम	संशोधन प्रतिशत
2016-17	**BA,MA, PhD. Certificate 10.10.2017**	**100 %**

विगत पांच वर्षों में बी.ए. के पाठ्यक्रम में लगभग 100 प्रतिशत परिवर्तन किया गया। एम ए के पाठ्यक्रम में लगभग 20 प्रतिशत बदलाव किया गया। पीएचडी की सीट विज्ञापित न होने के कारण कोर्षवर्क के पाठ्यक्रम को अपडेट करने की आवश्यकता नहीं रही।

- **कौशल विकास केंद्रित पाठ्यक्रम -**

बी.ए. एवं एम.ए. का पाठ्यक्रम रोजगार परक प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सहायक है। परिणाम स्वरूप विभाग से अध्ययन करने वाले विद्यार्थी विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। संस्कृत का अध्ययन करने वाले विद्यार्थी कथावाचन, पाण्डित्य परम्परा कौशल सीखने, प्रवचन कौशल में अधिक निपुणता के साथ अपने कौशल प्रदर्शन में समर्थ होते हैं। इस प्रकार रोजगारपरक संस्कृत पाठ्यक्रम लगभग **70 प्रतिशत** है।

✓ ज्योतिष पाठ्यक्रम

✓ संस्कृत संभाषण

- **नए पाठ्यक्रमों का प्रतिशत**

✓ **वर्ष 2017 में संस्कृत संभाषण, योग, ज्योतिष, आयुर्वेद, भारतीय रंगमंच के पाठ्यक्रम शुरु किये गये हैं जो लगभग 25 प्रतिशत है।**

- **CBCS पाठ्यक्रम प्रतिशत-**

उन कार्यक्रमों का प्रतिशत जिनमें च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)/वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रणाली लागू की गई है(Percentage of Programmes in which Choice Based Credit System (CBCS)/elective course system has been implemented) – 100 प्रतिशत

BA	100 प्रतिशत
MA	100 प्रतिशत
PhD	100 प्रतिशत
संस्कृत संभाषण	100 प्रतिशत

• **चुनौतीपूर्ण मुद्दे-**

- ✓ **BA पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संस्कृत साहित्य में नैतिकता पर केन्द्रित एक प्रश्नपत्र संचालित है।**
- ✓ **MA के पाठ्यक्रम में एक ओपन इलेक्टिव का एक प्रश्नपत्र भारतीय संस्कृति से सम्बद्ध है इसके अन्तर्गत नैतिक मूल्य, स्त्रीशिक्षा, मानवीय मूल्यों एवं सामाजिक स्थायित्व के संबन्ध में शिक्षण की व्यवस्ता है।**
- ✓ **एम.ए. संस्कृत साहित्य के पाठ्यक्रम में पर्यावरण से सम्बन्धित एक प्रश्नपत्र पढ़ाया जाता है जिसमें प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरण के महत्त्व और उसके संरक्षण पर विचार-विमर्श किया गया है।**

- **मूल्यपरक पाठ्यक्रम** –

  - ✓ इस प्रकार के पाठ्यक्रम स्वतन्त्र रूप से संचालित न होकर परम्परागत पाठ्यक्रमों में कौशव विकास वाली पाठ्यसामग्री सम्मिलित की गयी है। जो निम्नानुसार हैं। BA V sem ज्योतिष प्रश्नपत्र, MA OE प्रश्नपत्र पाण्डुलिपि विज्ञान
  - ✓

- **मूल्यपरक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्र प्रतिशत-**
  - ✓ **स्वतंत्र रूप से पंजीकृत छात्र निरंक हैं।**
- **छात्र प्रतिशत** –
  - ✓ **इस प्रकार की परियोजनाओं की संख्या निरंक है।**
- **फीडबैक -**
  - ✓ **इस प्रकार का फीडबैक IQAC cell द्वारा लिया गया।**

2.

शिक्षण-प्रशिक्षण

और

मूल्यांकन

(Teaching-Learning

and

Evaluation)

-

संकाय प्रोफाइल

(Faculty Profile)

Present Teachers

Name of Teacher	Designation	Qualification	Specialization	
Dr. Naunihal Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Ramhet Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Buddhism	
Dr. Sanjay Kumar	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Culture	
Dr.Shashikumar Singh	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Kiran Arya	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Vyakaran & Veda	

संस्कृत विभाग
DEPARTMENT OF SANSKRIT

छात्र नामांकन और प्रोफाइल –

UG (BA)

Year	Application Received	Selected	Enrolled
2015-16	_	_	45
2016-17	_	_	22
2017-18	_	_	17
2018-19	_	_	27
2019-20	_	_	33

PG (MA)

Year	Application Received	Selected	Enrolled	Pass	Parcenteage
2015-16	15	15	13	12	93
2016-17	12	12	09	06	67
2017-18	14	14	09	09	100
2018-19	12	12	10	09	90
2019-20	12	12	09	08	88.88

PhD

Year	Application Received	Selected	Enrolled	Pass	Parcenteage
2015-16	3	3	3	3	100
2016-17	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2017-18	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2018-19	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2019-20	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

Certificate Course

Year	Application Received	Selected	Enrolled	Pass	Parcenteage
2015-16	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2016-17	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2017-18	48	48	48	15	31.25
2018-19	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
2019-20	16	16	16	परीक्षा परिणा प्रतीक्षित	परीक्षा परिणा प्रतीक्षित

- **विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात -**

वर्ष	कक्षा						
छात्र-शिक्षक अनुपात ➔	BA	MA	PhD	संस्कृत संभाषण	योग	शिक्षक संख्या	अनुपात
				-			
2015-16	45	13	3	Nil	61	05	12:01
2016-17	22	09	Nil	Nil	31	05	06:01
2017-18	17	09	Nil	48	74	05	15:01
2018-19	27	10	Nil	Nil	37	05	07:01
2019-20	33	09	Nil	परीक्षा परिणा प्रतीक्षित	42	05	08:01

शिक्षण (Teaching) - सीखने की प्रक्रिया(Teaching-Learning Process)

- नियमित कक्षाओं का संचालन
- विद्यार्थी संगोष्ठियों का आयोजन
- संस्कृत संभाषण का अभ्यास
- रचनात्मक लेखन का अभ्यास
- परियोजना कार्य
- विभिन्न आधुनिक विमर्शों पर परिचर्चा
- संस्कृत व्याकरण का अभ्यास
- वाद-विवाद प्रतियोगिताएं
- संस्कृत श्लोक पाठ एवं गद्य पाठ
- संस्कृत साहित्य पर आधारित रंगोली एवं चित्र

• Mode of Teaching

Year	Mode of Teaching	Class room	Class room With Smart board
2014-15	Lecture With Board	03	
2015-16	Lecture With Board	03	
2016-17	Lecture With Board	03	
2017-18	Lecture With Board	03	
2018-19	Lecture With smart Board/PPT	02	01
2019-20	Lecture With smart Board/PPT	02	01

शिक्षण अवधि

कक्षा अध्यापन के दिवस 02 सेमेस्टर =01 वर्ष

बी.ए.	54 क्रेडिट x15 दिवस = 810 दिवस
एम.ए.	40 क्रेडिट x15 दिवस = 600 दिवस
पीएच डी	16 क्रेडिट x15 दिवस = 240 दिवस
सर्टिफिकेट कोर्स	08 क्रेडिट x15 दिवस = 120 दिवस

मूल्यांकन(Evaluation Process)

परीक्षा प्रणाली सी बी सी एस के अनुसार लागू है

- **विभागीय स्तर पर - प्रथम एवं द्वितीय** मिड सेमेस्टर परीक्षा
- **विश्वविद्यालय के स्तर पर - सत्रांत परीक्षा**
- **परीक्षा के तीन चरण हैं-**

I MID	**20**	**अंक**	**लिखित**
II MID	**15**	**अंक**	**असाइनमेंट लेखन**
	05	**अंक**	**उपस्थिति**
सत्रांत परीक्षा	**60**	**अंक**	**लिखित**
कुल अंक	**100**	**अंक**	

सुधार (Reforms)

संस्कृत विभाग के अंतर्गत संचालित **UG, PG & Phd, पाठ्यचर्या** के प्रारूप में आवश्यक संशोधन यू .जी .सी. के नियमानुसार विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक क्रमश : वर्ष 2016,2017,2018,2019, में सर्व सम्मति से किये| विभागीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम भाषा अध्ययन शाला द्वारा आयोजित स्कूल बोर्ड की बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से अनुमोदित है |

संस्कृत विभाग में संचालित **सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम** (06 माह) का भी अनुमोदन विभाग एवं भाषा अध्ययन शाला द्वारा आयोजित अध्ययन मण्डल की बैठक में किया गया है |

- **छात्र प्रदर्शन और सीखने के परिणाम** (औसत पास प्रतिशत)

  Student Performance and Learning Outcomes (average pass percentage)

UG (BA)

Year	Enrolled	Pass	Pass Parcenteage
2015-16	45		
2016-17	22		
2017-18	17		
2018-19	27		
2019-20	33		

PG (MA)

Year	Enrolled	Pass	Pass Parcenteage
2015-16	13	12	93
2016-17	09	06	67
2017-18	09	09	100
2018-19	10	09	90
2019-20	09	08	88.88

PhD

Year	Enrolled	Pass	Pass Parcenteage
2015-16	3	3	3
2016-17	Nil	Nil	Nil
2017-18	Nil	Nil	Nil
2018-19	Nil	Nil	Nil
2019-20	Nil	Nil	Nil

Certificate Course

Year	Enrolled	Pass	Pass Parcenteage
2015-16	Nil	Nil	Nil
2016-17	Nil	Nil	Nil
2017-18	48	15	31.25
2018-19	Nil	Nil	Nil
2019-20	16	परीक्षा परिणाम प्रतीक्षित	परीक्षा परिणाम प्रतीक्षित

3.

अनुसंधान, नवाचार

और

विस्तार

(Research, Innovations

and

Extension)

अनुसंधान, नवाचार और विस्तार

Research, Innovations and Extension-

- **वर्तमान अनुसंधान और विभाग के योगदान का प्रमुख क्षेत्र**
  (Thrust area of current research and department contribution)

संस्कृत साहित्य में निहित विविध ज्ञान-विज्ञान, कला आदि के बहु आयामी अनुशासनों के अध्ययन के लिए शोधार्थियों एवं छात्रों को अध्ययन एवं अनुशीलन के लिए प्रेरित किया जाता है|

- संस्कृत साहित्य
- वैदिक साहित्य
- व्याकरण
- दर्शन
- काव्य ,नाटक एवं चम्पू
- नाट्यशास्त्र
- काव्यशास्त्र
- ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड

आधुनिक संस्कृत साहित्य
राजधर्म
राष्ट्रीय भावना,
मानव मूल्य
पर्यावरण चेतना
वैज्ञानिक दृष्टि
अभिनव रचना धर्मिता
संगणकीय संस्कृत आदि

- **अनुसंधान और सुविधाओं को बढ़ावा देना (Promotion of Research and Facilities)**
  - ✓ विभागीय अनुसंधान सुविधाओं को अक्सर अद्यतन किया जाता है।
  - ✓ विभागीय अध्यापक निरन्तर प्रासंगिक विषयों पर शोध कार्य कर रहे हैं।

Awards.

डॉ. सञ्जय कुमार - विविध पुरस्कार 2019 'अग्निपुराण का नाट्य दर्शन', उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ उप्र

डॉ. सञ्जय कुमार - विविध पुरस्कार 2020 'दण्डी समय एवं साहित्य', उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ उप्र

डॉ. ऋषभ भारद्वाज व्यास पुरूस्कार, कालिदास अकादमी उज्जैन 2015

Honors.

डॉ नौनिहाल गौतम, स्वामी विवेकानंद युवा सम्मान 2018, आर्ष परिषद्, सागर मप्र

Projects

वृहद् शोध परियोजना : कथासरित्सागर में कथानक ,अभिप्राय एवं प्रतीक एक : समालोचनात्मक अध्ययन ,भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान ,परिषद् ,नई दिल्ली ,०१-०२-2020 से

साहित्यिक आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

- संस्कृते विश्वं विश्वे संस्कृतम्, 18-20 मार्च 2018 (यूजीसी के आर्थिक सहयोग से)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

- पं. प्रेमनारायण द्विवेदी तथा अनुवाद विधा, 28 अप्रेल 2015
- संस्कृत साहित्ये स्त्री विमर्शः , 29-30 अक्टूवर 2015

(साहित्य अकादमी नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से)

सारस्वत व्याख्यान माला

- कालिदास संस्कृत अकादमी , उज्जैन एवं संस्कृत विभाग डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ,सागर,म.प्र. के सयुंक्त तत्त्वावधान में आयोजित कालिदास के साहित्य में शिक्षा -डा.नीलाभ तिवारी ,केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,भोपाल परिसर ,24 सितम्बर ,2015.

व्याख्यान माला

- विशिष्ट व्याख्यान(ऑनलाईन) – आचार्य रामजी उपाध्याय का संस्कृत साहित्य को योगदान।– आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, दिनांक – 01.07.2020
- विशिष्ट व्याख्यान(ऑनलाईन) – नई सदी में संस्कृत भाषा-साहित्य का उत्थान। आचार्या पुष्पा दीक्षित, 06 अगस्त 2020

- **शोध संसाधन - अनुसंधान के लिए संसाधन जुटाना Resource Mobilization for Research**

अनुदान –

- ✓ **01.02.2020 से कथा-सरित-सागर में कथानक अभिप्राय एवं प्रतीक : एक समालोचनात्मक वृहद् शोध परियोजना।**
- ✓ **द्वारा – भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली।**
- ✓ **अनुदार राशि - 2,62000**

गतिविधियाँ–

विस्तार गतिविधियां(Extension Activities)–

- **विभाग में संचालित पाण्डुलिपि विज्ञान के छात्र पाण्डुलिपि केन्द्र का अवलोकन करते हैं।**
- **भारतीय संस्कृति प्रश्नपत्र के विद्यार्थी प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग के म्युजियम का भ्रमण करते हैं।**
- **विभाग में शोधरत विद्यार्थियों को अन्य विश्वविद्यालय के पुस्कालयों व शोध केन्द्रों पर साहित्य अवलोकन के लिए भेदा जाता है।**
- **श्लोक गायन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, वेद मंत्रपाठ आदि की प्रतियोगिताओं में छात्रों के द्वारा सहभागिता की जाती है।**

- **आउटरीच गतिविधियां(outreach activities)–**
- **विभाग के अध्यापक, शोधार्थी, व छात्र विभाग व विश्वविद्यालय के वाहर के संस्थानों में आयोजित विभागीयप्रस्तुतियों, कार्यशालाओं, सार्वजनिकवार्ताओंआदि में सहभागिता करते हैं।**
- **साहित्य अकादिमी दिल्ली, कालिदासअकादिमीउज्जैन, आर्षपरिषद् आदि के संयुक्त तत्त्वावधान में संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन। छात्रों, शोधार्थियों एवं अध्यापको के लिए गतिविधियों का संचालन किया गया।**

शोध प्रकाशन और पुरस्कार

प्रति शिक्षक प्रकाशित संपादित संस्करणों में पुस्तकों और अध्यायों की संख्या-

	डॉ.नौनिहाल गौतम			**डॉ. सञ्जय कुमार**			**डॉ. रामहेत गौतम**			**डॉ. शशिकुमार सिंहि**			**डॉ. किरण आर्या**			योग
वर्ष	पुस्तक	अध्याय	शोधपत्र	पुस्तक	अध्याय	शोधपत्र	पुस्तक	अध्याय	शोधपत्र	पुस्तक	अध्याय	शोधपत्र	पुस्तक	अध्याय	शोधपत्र	
2015	2	2	3	0	0	5			5			2	1		2	22
2016	0	4	7	0	0	2	1		1		1	2	1		2	21
2017	1	4	2	1	0	5			3			1	1	1	1	20
2018	0	3	3	1	0	3			0			1			4	15
2019	1	3	3	2	4	4	1	3	3	1	2	1	1	3	5	37
2020	1	3	2	0	3	2		2	1					1	2	17
2021	0	1	0	1	1	5		1	1					1	3	14
कुल	5	20	20	5	8	26	2	6	14	1	3	7	4	6	19	**136**

सेमिनार सहभागिता

प्रति शिक्षक **सेमिनार सहभागिता**

	डॉ.नौनिहाल गौतम			**डॉ. सञ्जय कुमार**			**डॉ. रामहेत गौतम**			**डॉ. शशिकुमार सिंहि**			**डॉ. किरण आर्या**			योग
वर्ष,	अन्तराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	अन्तराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	अन्तराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	अन्तराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	अन्तराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	क्षेत्रीय	
2015	1	8	1	1	4		1	11					1	2	4	
2016	0	6	0	0	3			1					0	3	2	
2017	1	6	0	0	5			4					2	0	4	
2018	1	11	0	2	0		1	2					3	0	4	
2019	0	5	1	1	1			3						1	5	
2020	0	3	0											1	0	
2021	0	3	1											7	1	
कुल	3	42	3				0	21	0							

Detail of Publication

Book -09

2015

1. 2015. Kiran arya/rajtarangini ke vividha aayam/ krishna prakashan sagar/978-81-89740-45-7

2016

2. Kiran arya/aprachalitgatyarthharkdhatunam sangrahah/ krishna prakashan sagar/978-81-89740 -00-9
3. Dr. Ramhet Gautam, Buddhcharit men paryavaran chetana,ISBN-978-93-83754-95-3, Name of Publisher - Satyam Publishing house, New Delhi.

2017

4. Dr. Naunihal Gautam, Sagar Shodh Saurabham (Co Author), Aman Prakashan, Namak Mandi, Sagar, 2017, 978-93-80296-50-0
5. Dr. Sanjay Kumar, Dandisuktiratnam, Satyam Publishing house New Delhi 2017 ISBN 978-93-85981-42-5
6. Dr. Kiran arya/gourgouravgitika/978-81-93403-6-1/2017

2018

7. Dr. Sanjay Kumar, AgnipurankaNatyaDarshan, Satyam 2018 Publishing house New Delhi 2018 ISBN 978-93-85981-99-9

2020

8. Dr. Sanjay Kumar, Dandi : Samay Aur Sahitya Anugya Books ,Shahadara , Delhi 2019 ISBN 978-93-86835-74-1

2021

9. Dr. Sanjay Kumar, Ramjee Upadhyay (Monograph) Sahitya Akedemi , New Delhi , 2021 ISBN 978-93-91017-29-3.

Edited Books-

2015

1. Dr. Naunihal Gautam, Sanskritsahitya kee Aadhunik pravrittiyan (Edited), Satyam Publishing House, Delhi, 2015, 978-93-83754-43-4
2. Dr. Naunihal Gautam, Ramcharitmanas men Samajikchetana (Edited), Saroj Prakashan, Sagar, 2015, 978-93-83365-06-7

2019

3. Dr. Naunihal Gautam, Sanskrit Kavyashastra – Aadhunik Aayam (Edited), Anugya Books, Delhi, 2019, 978-93-86835-73-4
4. **Dr. Ramhet Gautam,** Book's Name - **SANSKRIT KAVYASHASTRA AADHUNIK AAYAM Editor - Prof. Anand Prakash Tripathi** ISBN- **978-93-86835-73-4** National Year 2019.
5. **Dr. Sanjay Kumar,** Sanskrit Kavyashastra – Aadhunik Aayam (Edited), Anugya Books, Delhi, 2019, 978-93-86835-73-4
6. **Dr. Shashi Kumar Singh,** Sanskrit Kavyashastra – Aadhunik Aayam (Edited), Anugya Books, Delhi, 2019, 978-93-86835-73-4
7. **Dr. Kiran Arya,** Sanskrit Kavyashastra – Aadhunik Aayam (Edited), Anugya Books, Delhi, 2019, 978-93-86835-73-4

2020

8. Dr. Naunihal Gautam, Sanskrit Sahitya me Stree-vimarsh (Edited), Sahitya Akademi, Delhi , 2020, 978-93-89778-90-8

Chapter in Book(s) Published -18

2015

1. Dr Shashi Kumar Singh,SamkalinSamajkiSamyakAbhivyakti: Samshtih, Sanskrit Sahitya kiAdhunikPravittiyan, Edited by Prof Kusum Bhuriya Datta, SataymPublishing Delhi 2015 , 978-93-83754-43-4
2. Kiran arya/ugaprabodini shambhavi/sanskrit sahitya ki adhunik pravrittiya/satyam pablishing haus2015/978-93- 83754-43-4

2016

2017

3. Dr.kiran arya/adikavy ramayan men loktantra ki avdharana/vishvbhasha sahitya or ramkadhha/978-93-86810-04-5.2017

2018

2019

4. Dr. Ramhet Gautam, **LOKANUKIRTANAM KAVYAM**, Book's Name - **SANSKRIT KAVYASHASTRA AADHUNIK AAYAM Editor - Prof. Anand Prakash Tripathi** ISBN- **978-93-86835-73-4** National Year 2019 Pages- **133-142**
5. Dr. Ramhet Gautam, **Tanavpurn Jeevan men Shrimad Bhagvadgita ki prasangikta**, Book's Name - **Sanskrit Vangmay Chintan** ISBN-**9789389386042, Editor - Dr. Babulal meena** National, Year-**2019** Pages-**156-162 Publisher- Estern Book linkars.**
6. Dr. Ramhet Gautam, **Sanskrit Sahitya men Adarsh neta ke gun**, Book's Name - **Sanskrit Vangmay Chintan** ISBN-**9789389386042, Editor - Dr. Babulal meena,** National, Year-**2019** Pages-**156-162, Publisher- Estern Book linkars.**
7. Agnipuran Men Rajdharm kee Prasangikta ,Sanskrit Wangamay Chintan 2019 Published by Istran Book Linkars , Delhi,ISBN978-93-89386-04-2 Page No.174-183.
8. *Valmiki RamayankaRaghuvanshMahakavya par prabhaw*Maharshi Valmiki RamayanKaParwartisahitya Par Prabhaw 2019 ISBN: 978-93-84789-92-3 Page No.191-200
9. *Sanskrit kee Abhinawr achanadharmita :Kavyshastriy Paksh*Sanskrit Kavyashashtra AAdhunik AAyam 2019 Publishedby Anugya Books , Delhi ISSN 978-93-86835-73-4 Page No.170-180.

10. Dr Shashi Kumar Singh, Kavya Styalok me Vyanjana,Sanskrit KavyashastraAdhunikAyam , Editted by Prof Anand Prakash Tripathi , Anugya Books , Delhi ,2019 , 978-93-86835-73-4
11. Dr Shashi Kumar Singh ,SamkalinsandarbhAur Sanskrit Rachna ka AdhunikKal ,VartmanPariprekshya me Sanskrit VanmaykiPrasangikta ,Edited by Dr Prabhat Kumar Singh , SanskritiPrakashan, Varanasi (UP) ,2019, 93-85717-76-6
12. kiran arya/bharatiy sanskriti men nihit aashramvyavasdha/atulya bharat/92-101/978-93-88522-57-1 / 2019
13. kiran arya/vibhishan ki sharanagati/ramkadhasahitya/66-70/978-81-89740-78-8/2019

2020

14. Dr. Ramhet Gautam, **Dharmashastron men Stri: Shiksha , Adhikar Aur Kartavya**, Book's Name - **Sanskrit Sahitya men Stri Vimarsh** ISBN- **978-93-89778-90-8, Editor- Prof. Radha Vallabh Tripathi** National, Year-**2020** Pages- **104-112**
15. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, **Bhartiya Samvidhan ki Uddeshika ke mool tatwa Aur Sanskrit Sahitya**, Book's Name - **Sanskrit Sahitya Sadhana,** ISBN-**9789387195974, Editor - Dr. Shantilal Salvi,** National, Year- **2020,** Pages-**284-293, Publisher- Shivalik Prakashan Delhi.**
16. ***Kavyadrsha men prahelikayen*** Sanskrit Sahitya Sadhana 2020 Published by Shiwalik Prakashan, Delhi,Varanasi ,ISBN 978-93-87195-97-4 Page No.183-192.

2021

17. Dr. Ramhet Gautam, **Vaidik Vangmay men rajnitik gathbandhan ke beej**, Book's Name - **Sanskrit vangmayamrit** ISBN-**978-81-909947-50, Editor - Dr. G. L. Patidar,** National, Year-**2021,** Pages- **93-96, Publisher- Saurabh publication, Udayapur**
18. ***Dr. Sanjay Kumar, kathasaritsagar Men Dharm Jigyasa*** Sanskrit Wangamay Men Dharm Meemansa Parimal Pubiliketion ,Delhi, 2021, ISNN 978-81-7110-712-4 Page n No1-16.

Research Papers: 13

2015

1. Dr. Naunihal Gautam, Aadhuniksanskritkavyeshu Patranam Yuganuroopata 2015, Sanskritsahitya kee Aadhunik pravrittiyan, I 60-63, National, 978-93-83754-43-4

   Dr. Naunihal Gautam, Vijayate Mahakavi Bhavabhuteh Samvad- yojana-chaturi 2014 Sagarika 44/ 3-4, Pg. 63-73, ISBN 2229-5577.

2. Dr. Naunihal Gautam, Krishnasya Priyatama Radha Ev 2015 Sagarika45/ 1-4147-151 National 2229-5577
3. Dr. Naunihal Gautam, Mooko Ramgirirbhootvopanyase Devatarchanam 2015 Aadhunik Sanskrit ki naee DishayenI 141-143 National 978-93-5108-440-2
4. Dr. Naunihal Gautam, Subhashit Sahitya me chitrit Jan-jeevan2015Parisheelan11/3,4 171-178 International 09747222
5. Dr. Naunihal Gautam, Ranga karm ke Guru-Vashishth ka Jeevan manch se Nirgaman 2015 Natyam 77 1-7 National 2229-5550
6. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title - Bauddha dharma darshan men amrapali ki diksha ek samikshatmak adhyayan, Journal- Newman Publication, J.N. In UGC Aproved Journal List- 45886, ISSN/ ISBN N.- 2348-1390 Vol. Vol. II-2 Page No. 71-75 National /International- International Year – Feb 2015
7. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - Vrakshon ke prati Devatwa ki avadharna, Journal- Research Link, J.N. In UGC Aproved Journal List- 48985 , ISSN/ ISBN N.- 0973-1628 Vol.129-XIV(2) Page No. 54-56 National /International- International Year – Apr2015
8. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - Sanskrit sahitya men jalvayu chintan, Journal- Intn.jour.of applied&universal research, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- 2395-0269 Vol. 1 (1) Page No. 133-134 National /International- International Year -
9. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - Ashwaghosh ki saundarya dristi, Journal- Shodh Vichar A Multi disciplinary journal Ashoka Nagar MP, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- 2395-5074 Vol. 1(1) Page No. 24-29 National /International- International Year - Mar. 2015
10. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - Bhoj ki Nutan kathasankshepn shaili, Journal- Parisheelan, J.N. In UGC Aproved Journal List- 40790, ISSN/ ISBN N.- 0974-7222 Vol. XI (3,4) Page No.153-158 National /International- International Year –Jul-Dec.2015

11. *Aupnishad Srishti Vijyan* Madhay Barrtee Voll.- 69 2015 .Dr.Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)ISSN 0974-0066. UGC- Sl No.0 1,&Jurnal No. 48918 ,Page No.100-105.
12. *Bharate Krishikanam Krishisamasya* Sagarika Vol.46/1-2 ,2015. Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN2229-5577. UGC- Sl No.0 2,&Jurnal No. 48268,Page No.78-83.
13. *Sanskrit Gadya Paramparaau rDandi.* Sanskrit*i* Sandhan Vol.XXVII No. 2, 2015 Human Research Center, Varanasi. ISSN 0974-1526. UGC- Sl No. 02,& Jurnal No. 49335, Page no.48-62.
14. *Dandikaleen Pramukh Bharatiya Nagar: Ek Adhyayan.* Sanskrit*i* SandhanVol.XXVII No.-1, 2015 Human Research Center, Varanasi ISSN 0974-1526, UGC- Sl No. 02,&Jurnal No. 49335, Page no.138-143.
15. *Sanskrit PatrakaritakaItihas :Aawashyaktaevam Samsyaein*. Wangamayam Vol. XII June-2015 Allahabad (U.P.) ISSN2278-0084 Page No. 43-58.
16. *Valmikiy Ramayanmein Bhakti Yoga.* VishwJyoti. Vol. 64 No.12015,Hoshiyarpur Punjab. ISSN 0505-7523. UGC- Sl No. 01,&Jurnal No. 47476,Page No.42-45
17. 2015 Dr Shashi Kumar Singh,GarhasthyadharmDamptyajeevana, Sagarika, 46/1-2, 103-107, 2015, 2229-5577, No impact factor
18. 2015 Dr Shashi Kumar Singh, Uttarramcharitam me ChitrakalakeTatva, Parisheelan, XI/3,4 ,139-146 ,2015 ,0974-7222,
19. 2015 Dr. Kiran arya/gopadhbrahmane keshanchanshabdanam nidarshanam/sagarika-45/131-135/2229-5577
20. 2015 Dr. Kiran arya/brahmvadini maitreyi/anuranjika-4varanasi/33-34/2394-5540. 2016

2016

21. Dr. Naunihal Gautam, Puranon me Radha ke Ullekh is Published in Shabdarnav, year 2, issue 3/4, pp. 88-91, ISSN 2395-5104, Jan.-June 2016

22. Dr. Naunihal Gautam, Madhyapradesheey Sanskrit Kavi 2016 Shree Heerak Prabhritam Vol.-IV I 344-356 National 9788185924267

23. Dr. Naunihal Gautam, Vartaman Samasyaon ke samadhan me Sanskrit ki Bhoomika 2016 Sanskrit Shodh sudha I 149-155 National 978-93-5235-767-3

24. Dr. Naunihal Gautam, Puranon me chitrit Shriradha ke vividh Swaroop is Published in Vedanjali, issue 3/5, pp. 97-104, ISSN 2349-364X, Jan.-June 2016

25. Dr. Naunihal Gautam, Shravyakavya ki Radha ka Vaishishtya is Published in Tripathga issue 3/1, pp. 68-73, ISSN 2395-4280, Jan.-June 2016

26. Dr. Naunihal Gautam, Prashnopanishad – Patrakarita ke Samachar sootrapat ki vidhi ka srot is Published in Panineeya issue 3/11-12, pp. 44-49, ISSN 2321-7626, April-July 2016.

27. Dr. Naunihal Gautam, Rigvedeey Radhah Pad ka Arthvaividhya is Published in Shodhmimansa issue 3/3, pp. 46-48, ISSN 2348-4624, July-Sep. 2016.

28. Dr. Naunihal Gautam, Drishyakavya ki Nayika Radha Ka Svakiyatva Mandan is Published in Wisdom Herald issue 7/3, pp. 165-170, ISSN 2231-1483, July-Sep. 2016.

29. Dr. Naunihal Gautam, Puranon men Varnit Shri Radha ka Vaishishtya is Published in Anuranjika issue 3/9, pp. 1-6, ISSN 2394-5540, Oct.-Dec. 2016.

30. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - SANSKRIT SAHITYE RASTRIYA BHAVNA, Journal- sagarika, J.N. In UGC Aproved Journal List- 48268, ISSN/ ISBN N.- 2229-5577 Vol. 46 (1,2) Page No. 95-102 National /International- International Year – Apr2016

31. ***Bharatiysanskriti men ManawMuly*** 1990 BadalawkaSanketVoll. 03- 2016 Rachi –Jharkhand ISSN 2321-4465 ,Page No.165-169.

32. ***Vaidikchikitsa***Wangayam Vol.10 jun- 2016 Triwenika Sanskrit Parishad Allahabad (U.P.)ISSN 2278-0084 Page No.49-59.

33. 2016 Dr Shashi Kumar Singh,AurvedicChikisa ka Vadik Swaroop,Madhya Bharti,71, 113-119,2016,0974-0066, No impact factor Dr Shashi Kumar Singh, Kavysatyalok me AlankarVivechan, Shabdarnav, 4/IV, 57-61, 2016, 2395-5104, No impact factor

34. 2016 Dr. Kiran arya/ upnishadah darshanikam chintanam/emerging researcher-3varanasi/75-78/2343-5590.

35. 2016 Dr.kiran arya/upnishad or gita/hichaki/66-69/2455-7757

2017

36. Dr. Naunihal Gautam, Kavyashastra men Loka ki Bhoomika 2017 A Survey of Sanskrit Poetics : Modern Dimensions I 247-252 National 978817525766-5

37. Dr. Naunihal Gautam, Yogvasishth Ramayan men Rishi Muni 2017 Yogvasishth ka Darshnik Chintan I 167-175 National 978-81-302-0440-6

38. Dr. Naunihal Gautam, Kavi Harinarayandikshitasya Kavyeshu Paryavaran Chetana 2017 Sanskritsahitye Pryavaranavijnanam I 145-152 National

39. Dr. Naunihal Gautam, Survaneem Janvaneem Kartum Vivekanandvicharah 2017 Sanskritsahitye Swami Vivekanandah I 146-149 National 9788193377611 VCR Books, Ramkrishna Mission Residential College, Kolkata

40. Dr. Naunihal Gautam, Vidagdhamadhav ki Nayika ka Natyashastriya Paksha 2017 Natyam 81 49-59 National 2229-5550 Dept. of Sanskrit, Dr. Harisingh Gour University, Sagar

41. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with – Ashok Vijayam men Dharm drishti, Journal- **Natyam**, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- **2229-5550** Vol.-81 Page No.- 113-121**,** National /International- Year – **April-June,2017**

42. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with - Aadhunik Kavyashastra Parampara ke Kavyaprayojan, Journal- WishdomHerald, J.N. In UGC Aproved Journal List- 40878, ISSN/ ISBN N.- 22311483 Vol. VIII(1,2) Page No. National /International- International Year – Jan-June 2017

43. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with –Ashtang Marganusheelan se naitik Vikas, Journal-Parisheelan, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- 0974-7222 Vol. XIII (1,2) Page No.169-180 National /International- International Year –Jan-June 2017

44. **DandiAurStriSaundrya**SanskritisandhanVol.XXX No. 1, 2017 Human Research Center, Varanasi. ISSN 0974-1526. UGC- Sl No. 02,&Jurnal No. 49335,Page no.115-123.

45. **Valmikiyramayan MenAacharan**WisdomeHerad Voll-VIII,No-4 SITBS, New Delhi. ISSN: 2231-1483,UGC- Sl. No. 01,&Jurnal No. 40878, Page No.147-154,

46. **Sanskrit Natakon Men Ram Katha.** NatyamVoll-.81, 2017 NatyaParishad Dr**.** HarisinghGourVishwvidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN 2229-5550 ,UGC- Sl No. 02,&Jurnal No. 41002,Page No.16-31.

47. **MahakaviMaghkaRajdharm**MadhayBarrtee Vol.-72 2017. Dr**.**HarisinghGourVishwavidyalaya, Sagar (M.P.)ISSN 0974-0066. UGC- Sl No.0 1,&Jurnal No. 48918 , Page No.77-86.

48. **AcharymanwanusarenRajdharamChintanam**Hastakshar Voll.- 31,2017pragyaPrakashanJaypur ISSN-2454-6984 Page no.01-05.

49. Dr Shashi Kumar Singh, VedoktahSamajiksadhavah, Sagarika, 48/3, 82-86 ,2017, 2229-5577, No impact factor

50. Dr. Kiran arya/puraneshu prachinvyakaranuprayogah/ sagarika/2229-5577 2019 Dr. Kiran arya/kya vedon men etihas he?/ved savita dilli/

51. Dr. Kiran arya/vartaman pariprekshya men shiksha or shikshak ka mahatva/ anuranjika-5/68-70/2394-5540.

2018

52. Dr. Naunihal Gautam, Ravan ke Antahpur ke Vadyayantra 2018 Existence of Traditional Tabla Playing style in current perspective I 54-57 National 9788193403785 ND Publication, Delhi

53. Dr. Naunihal Gautam, Hitam Manohari ch Sanskritbaalsahityam 2018 Children's Literature in Sanskrit I 117-125 National 9789387088245 Dept. of Sanskrit, SCSVM University, Kanchipuram, Tamilnadu

54. Dr. Naunihal Gautam, Adhunik Sanskrit Baal sahitya Vaishishtyam July 2018 Sanskrit and Cultural Studies: New Perspectives I 432-439 National 9789353115494 Dept. of Sanskrit Sahitya, Sree Sankaracharya University of Sanskrit, Kalady, (Kerala)

55. Dr. Naunihal Gautam, Sanskrit men Forensic vijnan ka beejswaroop 2018 Shodhprabha 43.1 75-79 National 09748946 S LBS R Sanskrit Vidyapeeth, Delhi

56. Dr. Naunihal Gautam, Bhavabhootervaidicpanditya 2018 Sagarika 49/ 1 158-167 National 2229-5577 Dept. of Sanskrit, Dr. Harisingh Gour University, Sagar

57. Dr. Naunihal Gautam, Stree Hatya ka Shastreey Nishedh Sep. 18 Vichar 12/2 11-14 National 09744118 Shri Jaynarayan Mishra PG College, Lucknow

58. Vedon Men Mritaevn Jal-ChikitsaVigyan, PgyaPrabodhini, Vol. XIII, Oct. 2018, VPSASS Nyas, Bahraich UP, ISSN 2454681X, Page No. 114-121

59. NatyshtriyParampara Men Agnipuran, Sanskrit-Wangmayee –Voll-08, 2018, Deptt. of Sanskrit&Prakrit Languages, Lucknow University, Lucknow, U.P. ISSN 2231-5799 Page No.181-185.

60. KutneetikeNikas par Mudrarakshs NatyamVoll-.84, 2018 NatyaParishad Dr**.** HarisinghGourVishwvidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN 2229-5550 ,UGC- Sl No. 02,&Jurnal No. 41002,Page No.70-80.

61. 2018 Dr Shashi Kumar Singh, Pratimanatkam me Seeta, Natyam, 85, 29-35 ,2018, 2229-5550, No impact factor

62. Dr. Kiran arya/keneshitam patati preshitam manah/anuranjika/89-91/2394-5540

63. Dr.kiran.arya/valmikiramayani prakritchitanam/manaviki varanasi/166-168/0975-788

64. Dr. Naunihal Gautam, Sanskrit Vanmay men Pratishthit Maharshi Valmili 2019 Maharshi Valmiki Ramayan ka Paravarti Sahitya par prabhav I 70-79 National 978-93-84789923 Shaheed e Azam Publication, Patiala, PB

65. Dr. Naunihal Gautam, Aadhunik Sanskrit Kavyashastra ka Kavyalakshangat Vaishishtya 2019 Sanskrit Kavyashastra Aadhunik Aayam I 97-102 National 978-93-86835-73-4 Anugya Books, Delhi

66. Dr. Naunihal Gautam, Uttararamcharitam men Yoshidalankar 2019 Sanskrit Vanmay Chintan I 225-232 National 978-93-89386-04-2 Eastern Book Linkers, Delhi

67. Dr. Naunihal Gautam, Mudrarakshas ka Sukti Saundarya 2019 Natyam 89-90 134-139 National 2229-5550 Dept. of Sanskrit, Dr. Harisingh Gour University, Sagar

68. Dr. Naunihal Gautam, Ramayane Raghunan tu Sadhyan Lokanuranjanam 2019 Shodhpragya 7/1 43-51 National 2347-9892 Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar

2019

69. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with – Bal Ramayan men Samajik Sadbhav, Journal- **Natyam**, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- **2229-5550** Vol. **85-88** Page No. **140-141,** National /International- Year – **April 2018-Mar, 2019**

70. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with – Mudra Rakshas ka rasaswad, Journal- **Natyam**, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- **2229-5550** Vol. **89-90,** Page No. **96-108,** National /International- Year – **April Sept, 2019**

71. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with – Mudra Rakshas Men Chhand Prayog, Journal- **Natyam**, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- **2229-5550** Vol. **89-90** Page No.130-133**,** National /International- Year – **April Sept, 2019**

72. *Name of Author* - Dr. Ramhet Gautam, Title with – Charachar vrindairlavadham pad nirvanam, Journal- **Natyam**, J.N. In UGC Aproved Journal List- , ISSN/ ISBN N.- **2229-5550** Vol. **91-94** Page No. **100-112,** National /International- Year – **Oct. 2019-Sept. 2020**

73. Venisanhar Ki NatyashastriySamiksha,Voll-.85-88, 2019NatyaParishad Dr**.** HarisinghGourVishwvidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN 2229-5550 ,UGC- Sl No. 02, &Jurnal No. 41002, Page No.124-132

74. Vedon Men Shaly Chikitsa Madhya Bharti Vol.-76 2019. Dr**.**Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN 0974-0066. UGC- Care List Group –C (Multi Discplinary) Sl No.0 15,& Jurnal No. 48918 , Page No.88-100.

75. 2019 Dr Shashi Kumar Singh, Mudrarakshas me AlankarYojna, Natyam , International Publications(Details of Research Papers) 2013 onwards: Year (Name of the author(s), title, name of the journal, vol. no. , page no.,Month/year, ISSN and impact factor, if any)

76. Dr.kiran.arya/paniye alankarah/paniniya Ujjain/32-36l2321-7626

77. Dr.kiran arya/nipatanamardhavaigyanikatvam/ayan-7/272-274/2347-4491

2020

.78. Dr. Naunihal Gautam, Sanskrit sahitya me Shree Radha ke Roop Aug. 2020 Gyananjali I 142-155 National 81-7949-017-3 Sharma Publishing House, Jaipur

79. Dr. Naunihal Gautam, Vaidik Sahitya me Stree 2020 Sanskrit Sahitya me Stree-vimarsh I 51-62 National 978-93-89778-90-8 Sahitya Akademi, Delhi

80. Dr. Naunihal Gautam, Radhavallabh Tripathi ki Sahitya sampada 2020 Poorvgrah 169-170 106-127 National Reg. No. 30968/74 Bharat Bhavan, Bhopal

81. Dr. Naunihal Gautam, Ramji Upadhyay ke Natkon me Lokhit ki Pratishtha 2020 Natyam 91-94 185-189 National 2229-5550 Dept. of Sanskrit, Dr. Harisingh Gour University, Sagar

82. **Sahity Sanskriti ke Anany Upasak Ramjee Upadhyay Natyam Vol.91-94. Oct.2019-Sept.2020 Natya Parishad Dr. Harisingh Gour Vishwvidyalaya, Sagar (M.P.) ISSN 2229-5550 ,UGC- Sl No. 02,&Jurnal No. 41002,Page No.24-30.**

83. Kathasaritsagar men Ramkatha Sanskrit Manjari Vol 19-2 Actu.-Dec. - 2020. Sansrit Academy,NewDelhi, ISSN 2278-8360. Page No.43-50.

84. Maha Kavi Bharawi Ka Rajdharm Sanskrit Manjari Vol 18-4 April-Jun - 2020. Delhi Sansrit Academy,NewDelhi, ISSN 2278-8360. Page No.51-60.

85. Dr. Naunihal Gautam, Krishimit Krishasva (Krishi karo) 2021 Vartaman Hindi Sahitya men Kisan Vimarsh aur Media ki Bhoomika I 104-107 National 978-81-951646-4-6 Sankalp Prakashan, Kanpur.

86. **Shreemadbhagawadgeeta men Sadbhaw** Koshal Jul.2018-jul.2021 The Indian Reasearch Society of Awadh Lucknow,U.P.ISSN2277-923X UGC List No.78-42973 Page No.73-77.

87. **Kathasaritsagar ke kathanakon men sanskriti vividhataen .** *Universal Review* . January-jun 2021, SITBS ,Kolkata (W.B.) . ISSN: 2277-2723 Impacate factor 5.525 Approved by UGC New Delhi .

88. **Kathasaritsagar men Manovinodpurn kathanak .** *VishwaJyoti.* january 2021, Hoshiyarpur, Punjab. ISSN: 0505-7523 UGC- Sl No. 01,&Jurnal No. 47476, page no.37-40.

2021

विभाग का प्रकाशन

विभाग में स्थापित **संस्कृत परिषद्** से अब–तक प्रकाशित पुस्तके एवं पाठ्य पुस्तके –75

नवीनतम प्रकाशित पुस्तकेः

1. संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ – सम्पादकः प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता, 2015

2. सागर–शोध–सौरभम् (1946 से 2016) – लेखकः डॉ. रामरतन पाण्डेय, डॉ. नौनिहाल गौतम

3. ग्रन्थ–रत्न, डॉ. रामरतन पाण्डेय, प्रदीप दुबे, 2018

4. संस्कृत काव्यशास्त्र, आधुनिक आयाम – प्रधान सम्पादकः आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, 2019

5. संस्कृत सहित्य में स्त्री विमर्श – सम्पादकः राधावल्लभ त्रिपाठी, आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, नौनिहाल गौतम, 2020 (साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सहयोग से प्रकाशित)

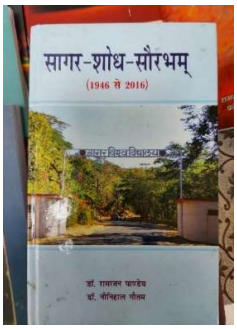

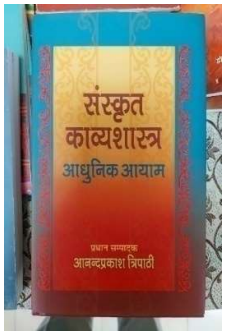

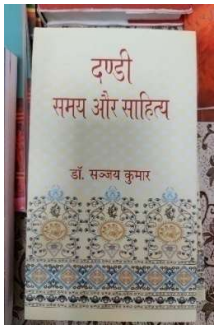

विभाग से प्रकाशित शोध पत्रिकाएं

2015–2020

सागरिका त्रेमासिक संस्कृत शोध पत्रिका :

ISSN 2229.5577, संस्कृत विभाग 1965 से स्थापित सागरिका समिति

द्वाराअबतक सागरिका शोध पत्रिका

अब तक प्रकाशित कुल अंक . 50

पूर्व में प्रकाशित विशेषांक -

भारतीयसंस्कृति, ज्योतिष, नाट्यवेद, मध्ययुगीन संस्कृतनाटक, भटट्तौत, प्राचीन भारतीय-समाज-दर्शन, मनुस्मृति, अधुनिक-संस्कृत-साहित्य, संस्कृत गौरव,संस्कृत व्याकरण, आधुनिक संस्कृत गद्यकाव्येस्वर्णकाल, काव्यशास्त्र तथा आचार्य रामजी उपाध्याय।

2015.2020 तक प्रकशित कुल अंक. 46 से 49

- **नवीनतम विशेषांक: महाकवि कालीदस: अंक, 47/1-4**
- **अर्वाचीन आचार्य राधावल्लभीय संस्कृत-साहित्ये पर्यावरण चेतना: अंक, 48/1-2**

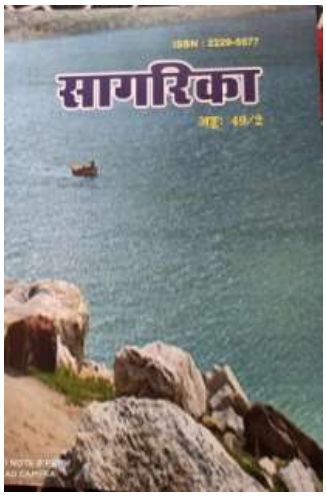

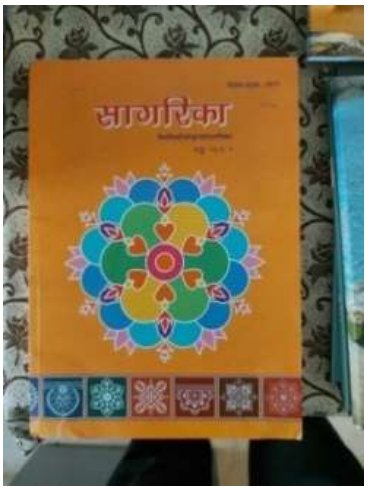

रंगमंच एवं सोंदर्यशास्त्र की त्रेमार्सिक शोध पत्रिका

ISSN 2229.5550, **संस्कृत विभाग नाट्य परिषद्, द्वारा 1982 से प्रकाशित नाट्यम शोध पत्रिका**

अब तक प्रकाशित कुल अंक . 94

2015.2020 तक प्रकशित कुल अंक . 78 से 94

प्रमुख विशेषांक:

- **शस्त्र और मानव तथा अन्य नाटक 78-79, जनवरी जून 2016**
- **नाट्यशास्त्र विशेषांक: 80, मार्च 2017**
- **विशाखदत्त विशेषांक: 89-90, अप्रैल-सितम्बर, 2019**
- **रामजी उपाध्याय का नाट्य साहित्य, 91-94, अक्टूबर 2019- सितम्बर, 2020**

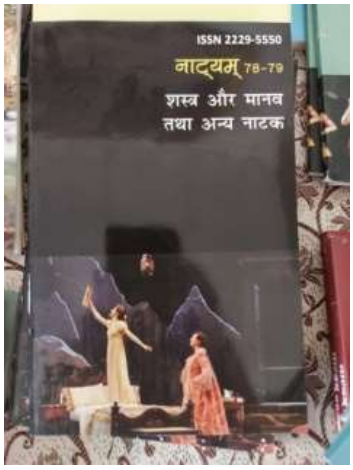

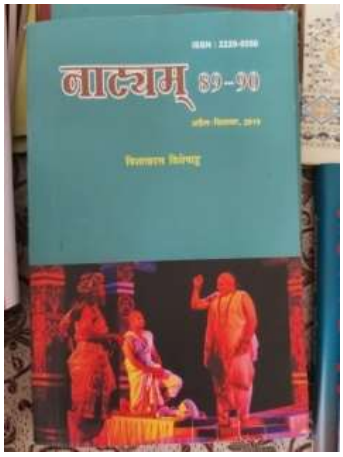

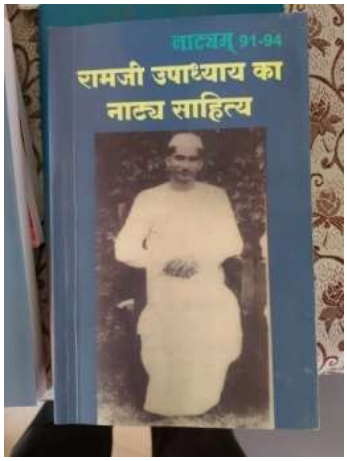

पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र परिचय

प्राचीनहस्तलिखितग्रन्थों ; (Manuscripts) को संरक्षित, संबर्धित करने तथा उनमें संकलित ज्ञान-राशि को जन-सामान्य तक पहुचाने के उद्देश्य से भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय द्वारा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली की विशिष्ट परियोजना के रूप में राष्ट्रीय पाण्डुलिपिमिशन (National Mission for Manuscripts) की सन् 2002 में स्थापना की गई। मिशन द्वारा सम्पूर्ण भारतवर्ष में पाण्डुलिपियों के सर्वेक्षण, संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शोध संस्थानों तथा प्राचीनपाण्डुलिपि संग्राहलयों में पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र तथा पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई।इसी क्रम में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर म.प्र. के संस्कृत-विभाग में दिनांक 1 सितम्बर 2005 को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन का एक केन्द्र पाण्डुलिपि-संसाधन-केन्द्र (Manuscript Resource Center) स्थापित किया गया। राष्ट्रीय पाण्डुलिपिमिशन, नई दिल्ली के निदेशक श्रीमती सुधा गोपाल- कृष्णन् तथा डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. के कुलपति प्रो. धीरेन्द्रपाल सिंह के मध्य अनुबन्ध ;डव्न्द्ध हुआ।तत्कालीन संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के निर्देशन में प्रो अच्युतानन्द दाश के समन्वयकत्व में केन्द्र की स्थापना हुई।

पाण्डुलिपि ग्रन्थालय

पाण्डुलिपि संसाधन केन्द्र ने सर्वप्रथम दो सर्वेक्षकों की नियुक्ति के साथ नवम्बर 2005 में पाण्डुलिपियों के सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया था। तत्पश्चात् फरवरी 2007 में दस सर्वेक्षकों की नियुक्ति की गई। सर्वेक्षकों ने सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, ग्वालियर, टीकमगढ़, सतना, भोपाल, विदिशा, अशोकनगर, पन्ना, बैतूल, दतिया म.प्र. तथा खैरागढ़, रायपुर, बिलासपुर छ.ग. में एवं नागपुर महाराष्ट्र, में सर्वेक्षण कार्य किया। उन्होंने 87 संस्थाओं तथा 300 व्यक्तिगत संग्रहालयों में कार्य करके अपना सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न किया। सर्वेक्षण में देवनागरी, उर्दू, बंगला, ग्रन्थ तथा उड़िया आदि लिपियों में निबद्ध पाण्डुलिपियों का डाटा शीट्स तैयार किये गये।

उल्लेखनीय अकादमिक योगदान

(Recognized Acadamic contribution)

डी. लिट्

1. प्रो. रामजी उपाध्याय : izkphu Hkkjrh; lkfgR; dh lkaLd`frd Hkwfedk] 1962
2. डॉ. मनोरमा तिवारी: laLd`r ekgkdkO;ksa dk fodkl] 1980
3. प्रो. राजा वल्लभ त्रिपाठी : vksfjftu ,.M Msoyis.M vkWQ bf.M;u fFk;sVj] 1982
4. डॉ. रामरतन पाण्डेय : vuqiyC/k laLd`r :id] 1990
5. प्रो. रमाकान्त पाण्डेय : laLd`rdkO;'kkL=L; fodkls ikoZrh;fo'os'ojik.Ms;L; ;ksxnkue~] 2012
6. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव : xkSMh;dkO;'kkL= ijEijk;ka cynsofo|kHkw"k.kL;konkue~] 2012

पीएच.डी.

उपाधि प्राप्त कुल शोध-छात्र- **153**

2015 से 2020 तक 05 शोध-छात्र

- **आयोजन** –
  - ✓ पिछले पांच वर्षों में संगोष्ठियों और परिचर्चा और सम्मेलनों का कुल आयोजन किया गया (Seminars and symposium and conferences organized total and in last five years)
  - ✓ दिनांक 28.04.2015 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी शीर्षक , प्रेम नारायण द्विवेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
  - ✓ दिनांक 10.08.2015 छात्र संगोष्ठी।
  - ✓ दिनांक 25.08.2015 तत्त्वबोध व्याख्यान। पाण्डुलिपि विज्ञान विमर्श।
  - ✓ दिनांक24.09.2015 सारस्वत व्याख्यान।
  - ✓ दिनांक 15.10.2015 डॉ अब्दुल कलाम आजाद जयन्ती पर छात्र परिचर्चा।
  - ✓ दिनांक 30.10.2015 राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी 'संस्कृत साहित्य में स्त्रीविमर्श"

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी-

- ✓ दिनांक 16-18.03.2018 अन्ताराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी - संस्कते विश्वं विश्वे संस्कृतम्।

तथा च

साहित्य-अकादेमी
तथा च
संस्कृतविभागः, डॉ. हरीसिंहगौरविश्वविद्यालयः
राष्ट्रिय-संगोष्ठी
संस्कृतसाहित्ये स्त्रीविमर्शः
29-30 अक्टूबर 2015

- **अन्य गतिविधियाँ -**

• **गतिविधियाँ** –

विस्तार गतिविधियां (Extension Activities) –

- ✓ विभाग में संचालित पाण्डुलिपि विज्ञान के छात्र पाण्डुलिपि केन्द्र का अवलोकन करते हैं।
- ✓ भारतीय संस्कृति प्रश्नपत्र के विद्यार्थी प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग के म्युजियम का भ्रमण करते हैं।
- ✓ विभाग में शोधरत विद्यार्थियों को अन्य विश्वविद्यालय के पुस्कालयों व शोध केन्द्रों पर साहित्य अवलोकन के लिए भेदा जाता है।
- ✓ श्लोक गायन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, वेद मंत्रपाठ आदि की प्रतियोगिताओं में छात्रों के द्वारा सहभागिता की जाती है।

- **आउटरीच गतिविधियां** (outreach activities) –

- ✓ विभाग के अध्यापक, शोधार्थी, व छात्र विभाग व विश्वविद्यालय के वाहर के संस्थानों में आयोजित विभागीय प्रस्तुतियों, कार्यशालाओं, सार्वजनिक वार्ताओं आदि में सहभागिता करते हैं।
- ✓ साहित्य अकादिमी दिल्ली, कालिदास अकादिमी उज्जैन, आर्ष परिषद् आदि के संयुक्त तत्त्वावधान में संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन। छात्रों, शोधार्थियों एवं अध्यापको के लिए गतिविधियों का संचालन किया गया।
- ✓ विभागीय छात्र संगोष्ठी।

4.

बुनियादी ढांचा

और

शिक्षण संसाधन

Infrastructure

and

Learning Resources

4. बुनियादी ढांचा और सीखने के संसाधन

Infrastructure and Learning Resources-

विभागीय भवन-

क्रमांक	विषय विस्तु	संख्या
01	विभागाध्यक्ष कक्ष	01
02	कार्यालय कक्ष	01
03	अध्यापक कक्ष	05
04	अध्ययन कक्ष	03
05	पुस्तकालय	01

पाण्डुलिपि केन्द्र

06	कक्ष	03

विभागाध्यक्ष कक्ष

अध्यापक कक्ष –

अध्यापक कक्ष -

अध्यापक कक्ष –

अध्यापक कक्ष –

अध्यापक कक्ष -

वरामदा –

कार्यालय कक्ष

शिकायत एवं सुझाव पेटी –

सूचना बोर्ड

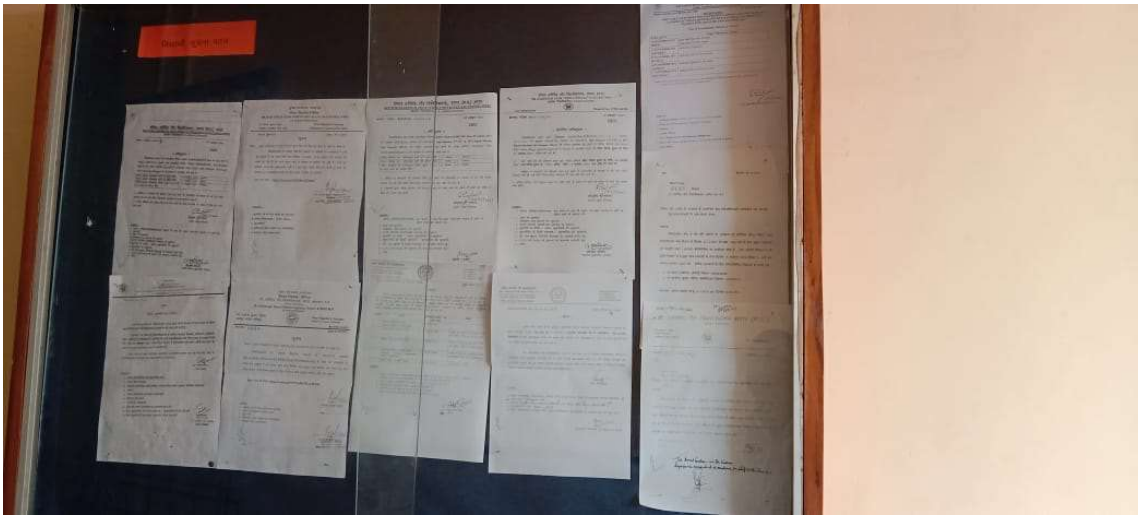

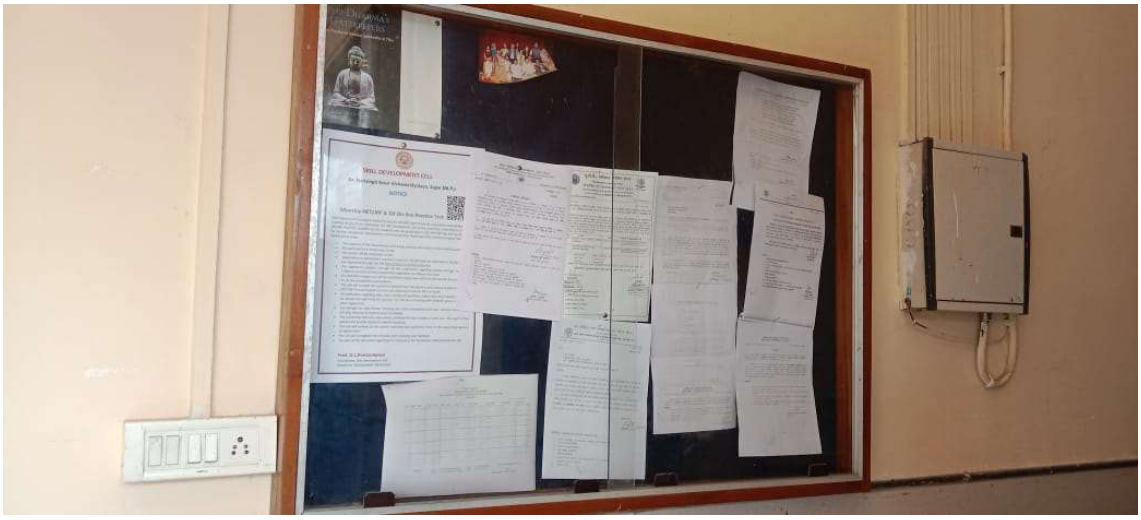

सुविधाएं

विभाग के पास 5000 पुस्तकों का एक समृद्ध पुस्तकालय है और छात्रों के लिए एक बड़ा बुक बैंक भी है। शोध प्रबंध, शोध प्रबंध और संस्कृत के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं का एक अच्छा संग्रह है। ये सभी विभाग के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए संदर्भ के लिए तैयार हैं।

VIRAMITRODAYA

कौटिलीय अर्थशास्त्र
KAUTILYA'S ARTHAŚĀSTRA AND MODERN WORLD
RADHAVALLABHA TRIPATHI
Om Prakash
ADITYANATHA JHA COMMEMORATION VOLUME
1976
AMRTADHARA
HIMANSUSRI

अन्य सुविधाएँ-

अनुरक्षित कक्षा कक्ष।

व्यक्तिगत शिक्षक कक्ष।

आठ कंप्यूटर इंटरनेट के साथ।

पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय।

आरओ के साथ वाटर कूलर प्रणाली।

पेय जल सुविधा -

सीखने के संसाधन

• भौतिक सुविधाएं

शिक्षक कक्ष	05
अध्ययन कक्ष	03
कंप्यूटिंग उपकरण-	06

• सीखने के संसाधन-

- ✓ विभागीय लाईब्रेरी में 5000 लगभग पुस्तकें हैं।

• आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर

✓ एलसीडी, स्मार्ट बोर्ड	01
✓ वाई-फाई/लैन	सभी कक्षों में

5.

छात्र सहायता

और

प्रगति

Student Support

and

Progression

5. छात्र सहायता और प्रगति (Student Support and Progression) -

- ✓ छात्रवृत्ति,
- ✓ यौन उत्पीड़न और रैगिंग के मामलों सहित छात्र शिकायतों का निवारण।
- ✓ शिकायत पेटिका एवं
- ✓ छात्र काउंसिलिंग हेतु समिति गठित हैं।

• **छात्र प्रगति**

Year	UG to PG	PG to Ph.D
2015	**9**	**-**
2016	**5**	**1**
2017	**5**	**-**
2018	**5**	**-**
2019	**9**	**-**
2020	**4**	**-**

नेट/स्लेट/गेट-

1. निकिता यादव, यूजीसी नेट 2017
2. रविन्द्र पंथ यूजीसी जेआर एफ 2018
3. चन्द्रपाल लोधी यूजीसी नेट 2020

उच्च शिक्षा-

1. निकिता यादव, सहायक प्राध्यापक चयन 2019, म. प्र. उच्चशिक्षा विभाग

राज्य सरकार की परीक्षाएं-

1. नीरज शुक्ल, उप्र. टीजीटी 2018
2. शिवपूजन चौरसिया, उप्र. पीजीटी 2018
3. सत्यप्रकाश यादव, उप्र. टीजीटी 2018
4. राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
5. प्रदीप द्विवेदी, म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
6. रामप्रकाश, म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
7. शिल्पी अहिरवार म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
8. सूर्यकान्त म.प्र. माध्यमिक शिक्षक।
9. दुर्गेश अहिरवार म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
10. डॉ. मोहनलाल गुप्ता, म. प्र. उच्च माध्यमिक शिक्षक।
11. रवीन्द्र पन्थ उ.प्र. पीजीटी।
12. सत्येन्द्र दीक्षित म.प्र. माध्यमिक शिक्षक।
13. जितेन्द्र मोहन कटारे, म.प्र. माध्यमिक शिक्षक।

Alumni

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, इस विभाग के प्रोफेसर को उनके डी. लिट.ऑन थीसिस के लिए 'प्राचीन भारत में रंगमंच की उत्पत्ति और विकास' शीर्षक से सम्मानित किया गया। उन्होंने इस विश्वविद्यालय में 43 साल तक अध्यापन किया। अपने कर्तव्य की इस अवधि के दौरान उन्होंने एचओडी, ईसी सदस्य, आईक्यूएसी के अध्यक्ष आदि के रूप में विश्वविद्यालय की सेवा की। उन्होंने पीएचडी के लिए 37 शोध विद्वानों का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। वे 14.08.2008 से 13.08.2013 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के माननीय कुलपति रहे। उन्होंने तीन साल के लिए आईसीसीआर के लिए प्रतिनियुक्ति पर सिलपाकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक में संस्कृत के अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। उन्होंने संस्कृत, अंग्रेजी और हिंदी में 160 किताबें और 215 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई शोध परियोजनाएं पूरी की हैं। उन्हें 40 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिले हैं, जिनमें शामिल हैं। कविता के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, कनाडा का रामकृष्ण संस्कृत पुरस्कार, पी.वी. उनके सर्वोत्तम शोध कार्य के लिए एशियाटिक सोसाइटी बॉम्बे का केन मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार। उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार (2014) से सम्मानित किया गया है।

डॉ. नारायण दास: रामकृष्ण मिशन महाविद्यालय, कोलकाता

डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, पुरी

प्रो. भागीरथी नंद: श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता : पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

प्रो. के.बी. पंडा : संस्कृत विभाग, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल.

प्रो. रामलखन पाण्डेय : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, लखनऊ

प्रो. रमाकांत पांडेय: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर

प्रो. कमलेश थापक : महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट म.प्र.

डॉ. रामरतन पांडे : संस्कृत सेवी

डॉ पूर्णचंद्र उपाध्याय: अध्यक्ष , संस्कृत विभाग, सरकारी पीजी कॉलेज,बूंदी, राजस्थान

डॉ ओमप्रकाश राजपाली: पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, अंबा पीजी कॉलेज, अंबाह, मुरैना, मध्य प्रदेश

डा. निकिता यादव : संस्कृत विभाग , महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय .छतरपुर ,म.प्र.

डा.लखन सिंह शाक्य: संस्कृत विभाग ,पी.जी.कालेज,दतिया म.प्र.

डा.द्वारिका प्रसाद : संस्कृत विभाग ,पी.जी.कालेज,दतिया म.प्र.

डा.आर.एन. झारिया: संस्कृत विभाग ,पी.जी.कालेज, म.प्र

डा.स्वर्ण लता तिवारी : संस्कृत विभाग , शासकीय महाविद्यालय ,पथरिया , म.प्र

6.

शासन, नेतृत्व और प्रबंधन

(Governance, Leadership and Management)

6. शासन, नेतृत्व और प्रबंधन(Governance, Leadership and Management)

यह विभाग विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग, डीनभाषा अध्ययनशाला, डोफा, शैक्षणिक गतिविधियाँ, कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के नेतृत्व में कार्य करता है। विभागीय कार्यालय रजिस्ट्रार, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के नेतृत्व में कार्य करता है। इसके अलावा विभाग में निम्नलिखित समितियाँ व सदस्य हैं।

- ✓ विभागीय अध्ययन मण्डल
- ✓ पाठ्यक्रम समिति
- ✓ परीक्षा समिति
- ✓ शोध समिति
- ✓ साहित्यिक गतिविधि समिति
- ✓ सांस्कृतिक गतिविधि समिति
- ✓ महिला प्रताड़ना प्ररोधक समिति
- ✓ रैगिंग प्रतिरोधक समिति
- ✓ भौतिक सत्यापन समिति
- ✓ सागरिका समिति
- ✓ नाट्यपरिषद्
- ✓ संस्कृत परिषद्

07.

संस्थागत मूल्य

और

सर्वोत्तम मान्यताएँ

(Institutional Values

and

Best Practices)

07. संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाएं (Institutional Values and Best Practices)

संस्थागत मूल्य

- राष्ट्रहित चिन्तन
- सामाजिक सद्भाव
- लोकहित की भावना का विकास
- चरित्र निर्माण
- सत्यानीष्ठा ईमानदारी एवं न्याय के प्रति सजगता
- संस्कृत परम्परा के प्रति सम्मान एवं नवीन चितंन के प्रति जागरूकता
- संस्कृति समन्वय
- भारतीय संविधान के प्रति आस्था

विशिष्ट गतिविधियाँ-

- छात्र सेमीनार।
- विभागीय सेमीनार।
- भाषण प्रतियोगिता।
- श्लोक वाचन प्रतियोगिता।
- संस्कृत संभाषण।
- कैरियर काउंसिलिंग।
- समय-समय पर छात्रों के लिए सूचनाओं का प्रसारण।
- सामाजिक जागरुकता के कार्यक्रमों का आयोजन।
- एकल व्याख्यान।
- आमन्त्रित अतिथि व्याख्यान।
- राष्ट्रीय व अन्ताराष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों का आयोजन।

Gallery

of

the Department

अन्ताराष्ट्रिया सङ्गोष्ठी
INTERNATIONAL SEMINAR
संस्कृते विश्वं, विश्वे संस्कृतम्
WORLD IN SANSKRIT, SANSKRIT IN THE WORLD
16- 18 March, 2018
आयोजक:
संस्कृतविभागः

संस्कृत विभाग का आयोजन
।। सारस्वतम् ।।
लोकप्रिय व्याख्यान - परिचर्चा
संस्कृतकाव्यपरम्परा - दिग्दर्शनम्
वैशाख कृष्ण नवमी, विक्रमाब्द- 2076
दिनांक- 28 अप्रैल, 2019 रविवार
स्थान - स्वामीनाथन् सेमिनार हॉल ,अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर
कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन का प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन
सहकार - संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि., सागर
संस्कृत विभाग

संस्कृति विभाग म.प्र.शासन
कालिदास संस्कृत अकादमी म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन

।। सारस्वतम् ।।

लोकप्रिय व्याख्यानमाला

परम्परा एवं आधुनिकता का द्वन्द्व- संस्कृत के मञ्च पर

माघ शुक्ल सप्तमी, संवत् 2077, 18 फरवरी, 2021

सम्मान्य,

कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन द्वारा संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के सहकार से सारस्वतम् लोकप्रिय व्याख्यान आयोजित है। इसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति और वरिष्ठ विद्वान् प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पुणे व्याख्यान देंगे। अध्यक्षता डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. जनकदुलारी आही करेंगी। विशिष्ट अतिथि संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी होंगे।

आप इस अवसर पर सादर आमन्त्रित हैं।

कार्यक्रम

दिनाङ्क – 18 फरवरी, 2021, गुरुवार

समय– दोपहर 2:00 बजे

स्थान – अंग्रेजी विभाग सभागार, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

प्रतिभा दवे
निदेशक

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रसारित दिशा-निर्देशों का पालन हमारा कर्त्तव्य है।

संस्कृति विभाग म.प्र. शासन का आयोजन
सारस्वतम् ॥
लोकप्रिय व्याख्यानमाला

Samsung Quad Camera
Shot by Viraj

Samsung Quad Camera
Shot by Viraj

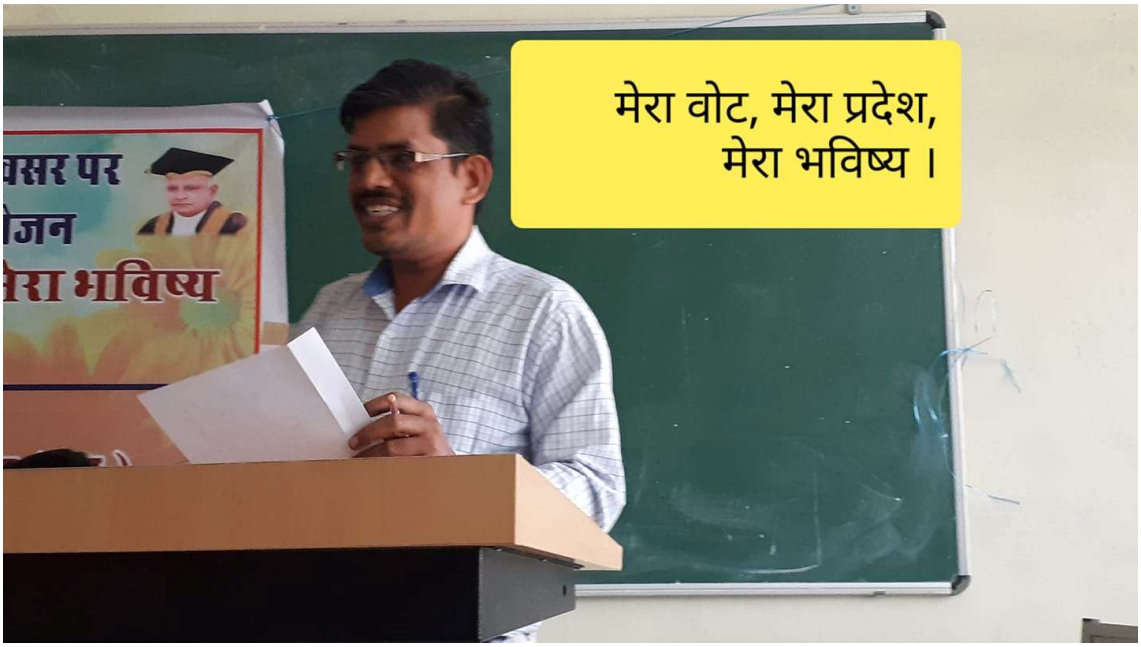
मेरा वोट, मेरा प्रदेश,
मेरा भविष्य ।

शिक्षक-दिवस-समारोहः
(५ सितम्बर २०१८)

ung 64 MP Camera
Viraj

संस्कृत विभाग
अध्यक्ष

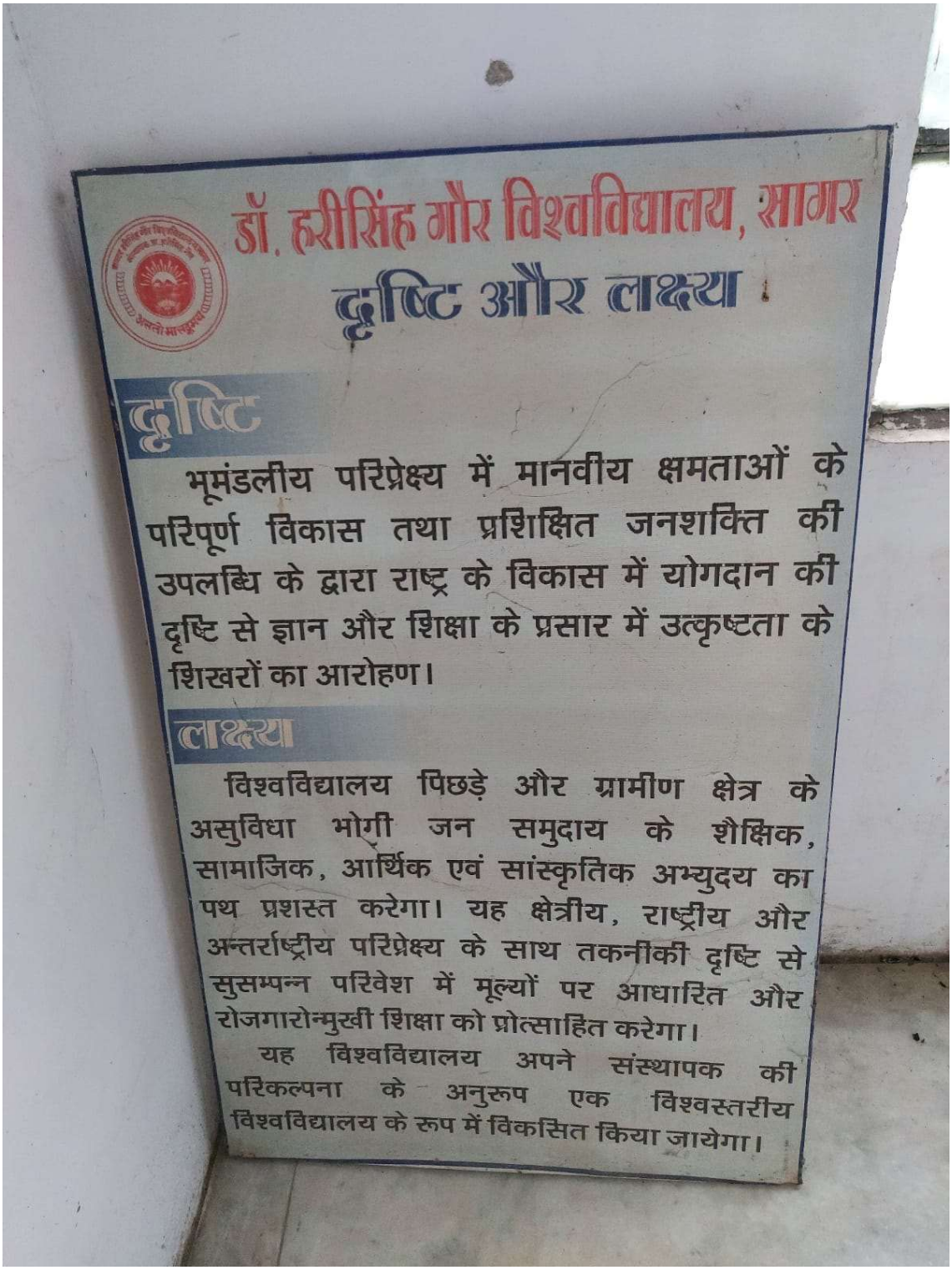
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
दृष्टि और लक्ष्य
दृष्टि
भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य में मानवीय क्षमताओं के परिपूर्ण विकास तथा प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धि के द्वारा राष्ट्र के विकास में योगदान की दृष्टि से ज्ञान और शिक्षा के प्रसार में उत्कृष्टता के शिखरों का आरोहण।
लक्ष्य
विश्वविद्यालय पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र के असुविधा भोगी जन समुदाय के शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक अभ्युदय का पथ प्रशस्त करेगा। यह क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के साथ तकनीकी दृष्टि से सुसम्पन्न परिवेश में मूल्यों पर आधारित और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को प्रोत्साहित करेगा।
यह विश्वविद्यालय अपने संस्थापक की परिकल्पना के अनुरूप एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा।

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

1. डॉ. आभा बबेले

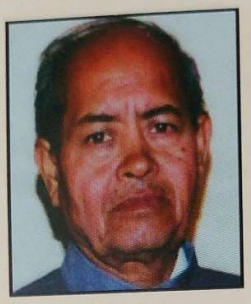

2. डॉ. अच्युतानन्द झा

3. डॉ. अलका शुक्ला

4. डॉ. अल्पना दुबे

5. डॉ. अनिल त्रिपाठी

6. डॉ. अनिल कुमार जैन

7. डॉ. अञ्जना पाठक

8. डॉ. अनुराधा पटैरया

9. डॉ. अर्चना मिश्रा

10. डॉ. अर्चना रावत (शर्मा)

11. डॉ. अर्चना सर्राफ

12. डॉ. आशा सर्वटे

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

13. डॉ. आशालता मलैया

14. डॉ. आशीष कुमार जैन

15. डॉ. भागीरथि नन्द

16. डॉ. भारती जैन

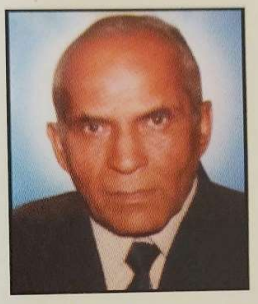

17. डॉ. बिहारी लाल नगाइच

18. डॉ. ब्रजेन्द्र सिंहदेव

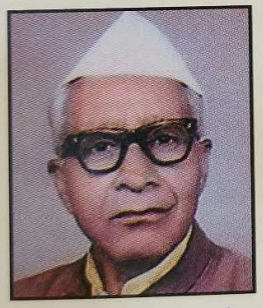

19. डॉ. दयाचन्द जैन

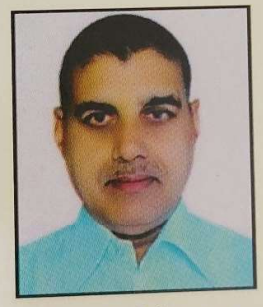

20. डॉ. देवेन्द्र गुरु

21. डॉ. देवेन्द्र प्रसाद तिवारी

22. डॉ. दिनेश नन्दिनी

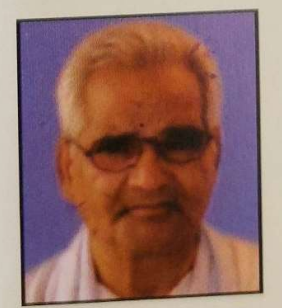

23. डॉ. गणेश प्रसाद त्रिपाठी

25. डॉ. गायत्री देव

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

26. डॉ. गायत्री गुप्ता

27. डॉ. गायत्री श्रीवास्तव

29. डॉ. गोकुलप्रसाद त्रिपाठी

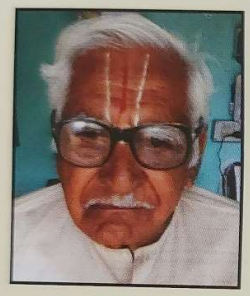

30. डॉ. गोमतीप्रसाद शुक्ल

31. डॉ. गोपीकृष्ण द्विवेदी

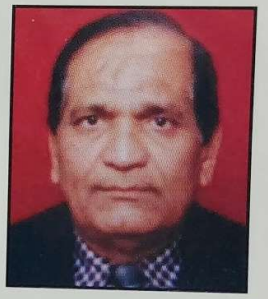

32. डॉ. गुलाब चन्द जैन

33. डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार मिश्र

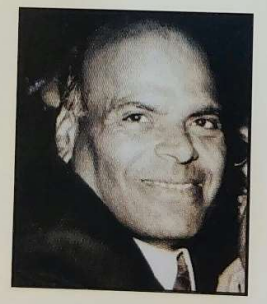

34. डॉ. हरीन्द्रभूषण जैन

35. डॉ. हरिश्चन्द्र जैन

36. डॉ. हेमलता बित्थरिया

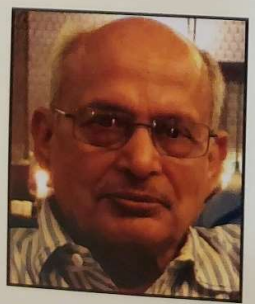

37. डॉ. हीरालाल शुक्ल

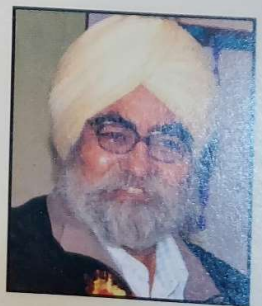

40. डॉ. इन्द्रमोहन सिंह

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

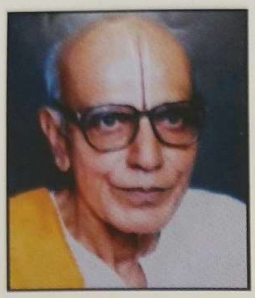

41. डॉ. जगदीशप्रसाद मिश्र

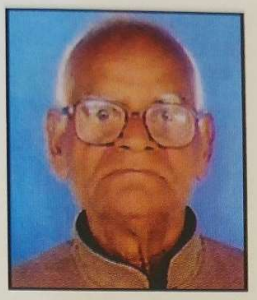

42. डॉ. जगत्बहादुर सिंह

43. डॉ. जयप्रकाश शर्मा

45. डॉ. ज्योति सुधा कुमार

46. डॉ. कल्पना द्विवेदी

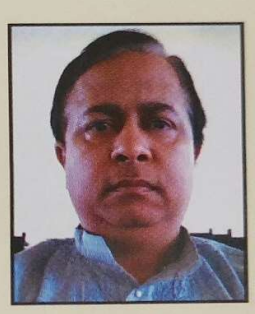

47. डॉ. कमलेश थापक

49. डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र

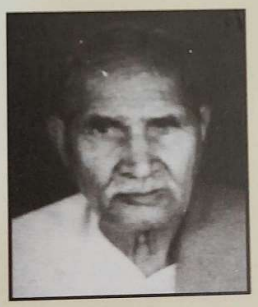

52. डॉ. केशवप्रसाद मिश्र

53. डॉ. खगेन्द्र पात्रा

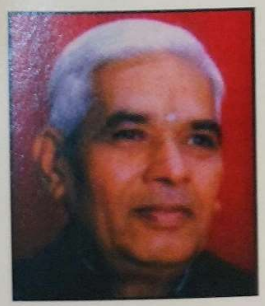

55. डॉ. कृपा शंकर व्यास

56. डॉ. कृष्णा जैन

57. डॉ. कृष्णा खरे

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

60. डॉ. कृष्णकान्ता शर्मा

61. डॉ. कृष्णकुमार गौतम

62. डॉ. क्षेत्रवासी पण्डा

63. डॉ. कुसुम भूरिया

64. डॉ. लक्ष्मीनारायण रावत

65. डॉ. लीना पटवा

66. डॉ. माधवी श्रीवास्तव

67. डॉ. महेशदत्त अग्निहोत्री

68. डॉ. मनीषा दुबे

69. डॉ. मनोरमा सक्सैना

70. डॉ. माया परमहंस

72. डॉ. मोहनलाल

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

73. डॉ. मुन्नालाल मिश्रा

74. डॉ. नमिता अग्रवाल

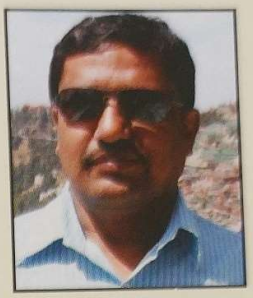

75. डॉ. नारायण दाश

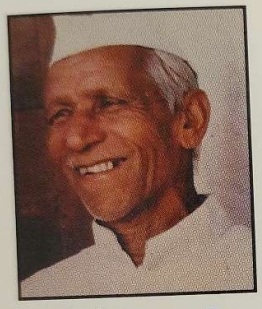

76. डॉ. नरेन्द्रकुमार विद्यार्थी

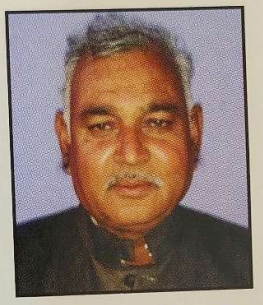

77. डॉ. नरेन्द्रसिंह राजपूत

78. डॉ. निर्मला उपाध्याय

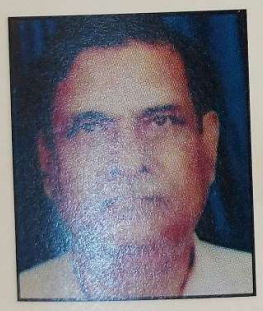

79. डॉ. ओमप्रकाश हर्ष

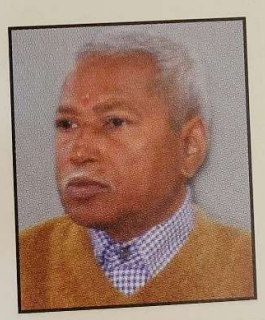

80. डॉ. ओमप्रकाश राजपाली

81. डॉ. पद्मा भार्गव

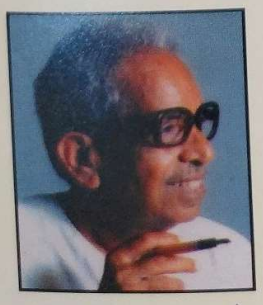

82. डॉ. पन्नालाल जैन

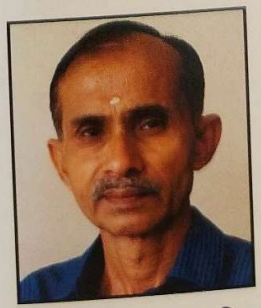

83. डॉ. परमानन्द मिश्र

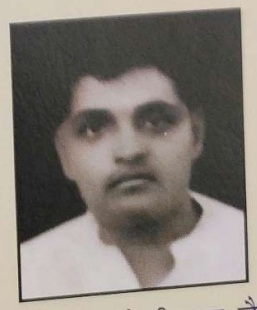

84. डॉ. परमेष्ठी दास जैन

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

85. डॉ. प्रभुदयाल अग्निहोत्री

86. डॉ. प्रभुदयाल त्रिपाठी

87. डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी

88. डॉ. प्रमोदकुमार मिश्र

89. डॉ. प्रतिभा देऊस्कर

90. डॉ. प्रतिमा देव

92. डॉ. प्रेमनारायण द्विवेदी

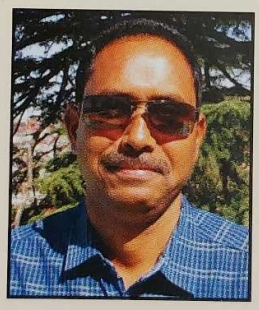

93. डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्याय

94. डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी

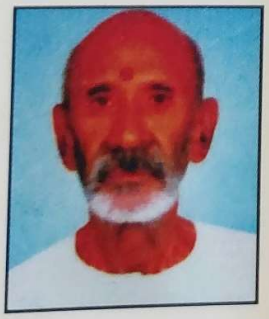

95. डॉ. राजाराम हजारी

97. डॉ. राखी गुरु

98. डॉ. रमाकान्त पाण्डे

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

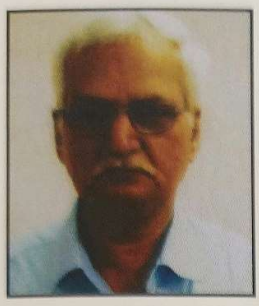

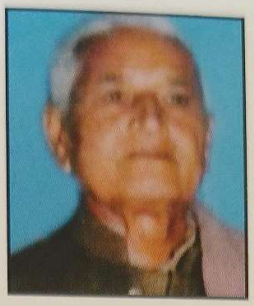

100. डॉ. रामछवीला त्रिपाठी 101. डॉ. रामेश्वर प्रसाद मिश्र 102. डॉ. रामगोपाल मिश्र

103. डॉ. रामगोपाल श्रीवास्तव 104. डॉ. रामगुलाम चौबे 105. डॉ. रामकुमार खम्परिया

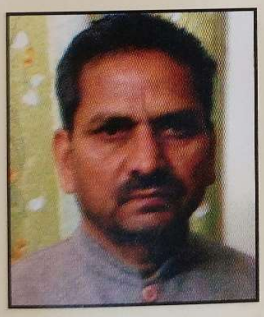

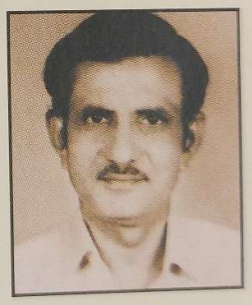

106. डॉ. रामलखन पाण्डेय 107. डॉ. रामनिहाल शर्मा 108. डॉ. रामनिवास शर्मा

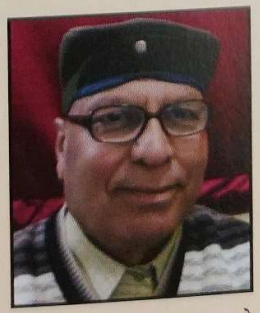

110. डॉ. रामप्यारी दुबे 111. डॉ. रामरतन पाण्डेय 112. डॉ. रञ्जना देवी जैन

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

114. डॉ. रश्मि जैन

116. डॉ. रत्नाकर चौबे

117. डॉ. रविनन्दन त्रिपाठी

118. डॉ. रेखा बड़वे

119. डॉ. रेखा जैन

120. डॉ. रेखा जैन

121. डॉ. ऋषभकुमार भारद्वाज

122. डॉ. ऋतु विश्वकर्मा

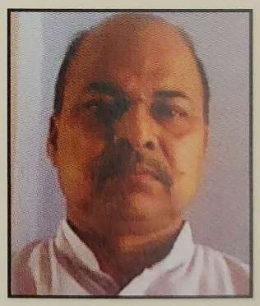

125. डॉ. सम्पूर्णानन्द उपाध्याय

127. डॉ. सञ्जयकुमार दुबे

128. डॉ. सञ्जयकुमार द्विवेदी

129. डॉ. संतोषकुमार साहू

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

130. डॉ. सरला दुबे

131. डॉ. सरोज बाला

132. डॉ. सविता राय

135. डॉ. शैली चौबे

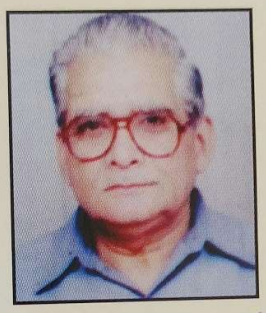

136. डॉ. शंकरलाल स्वर्णकार

137. डॉ. शर्मिला चटर्जी

138. डॉ. शशिबाला

139. डॉ. शशिकिरण जैन

140. डॉ. शीतांशु त्रिपाठी

141. डॉ. शिल्पी मिश्रा

142. डॉ. शिवा श्रमण

143. डॉ. शिवानी ताम्रकार

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

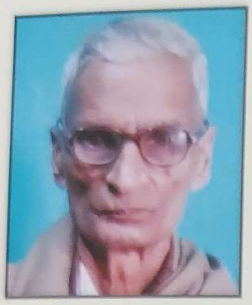

144. डॉ. शिवदर्शन तिवारी

146. डॉ. शिवकुमार मिश्रा

147. डॉ. श्री श्रीवास्तव

149. डॉ. सिद्धनाथ शुक्ला

150. डॉ. सीताराम द्विवेदी

151. डॉ. स्मिता चन्द्रात्रेय

152. डॉ. सुदर्शन त्रिपाठी

153. डॉ. सुधा जैन

154. डॉ. सुधा जैन

155. डॉ. सुमन याज्ञिक

156. डॉ. सुषमा जैन

157. डॉ. सुषमा जैन

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

158. सुशीला दीक्षित

159. उमा सोनी

160. डॉ. उषा ज्योतिषी

161 डॉ. उषा सिंह

162. डॉ. वन्दना जैन

163. डॉ. वन्दना त्रिपाठी

164. डॉ. वनमाला भवालकर

165. डॉ. वर्षा जैन

167. डॉ. विजय कुमार जैन

168. डॉ. विजयकुमार पाण्डेय

169. डॉ. विजयकुमार शुक्ला

170. डॉ. विजयलक्ष्मी कक्कड़

पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त मनीषी

158. सुशीला दीक्षित

159. उमा सोनी

160. डॉ. उषा ज्योतिषी

161 डॉ. उषा सिंह

162. डॉ. वन्दना जैन

163. डॉ. वन्दना त्रिपाठी

164. डॉ. वनमाला भवालकर

165. डॉ. वर्षा जैन

167. डॉ. विजय कुमार जैन

168. डॉ. विजयकुमार पाण्डेय

169. डॉ. विजयकुमार शुक्ला

170. डॉ. विजयलक्ष्मी कक्कड़

चित्र

ung 64 MP Camera
Viraj

आज के गरिमामयी कार्यक्रम
में पधारे सभी नागरिकों का
हार्दिक अभिनंदन
आरुष वेलफेयर सोसायटी, सागर
श्लोक पाठ प्रतियोगिता एवं तत्त्वबोध व्याख्यान
दिनांक 28 अप्रैल 2018
4:00

IN THE WORLD

एवं सेवन प्रतिबंधित
है।
विश्व दर्शन दिवस

अन्ताराष्ट्रिया सङ्गोष्ठी
INTERNATIONAL SEMINAR
संस्कृते विश्वं, विश्वे संस्कृतम्

अध्यक्ष

अध्यक्ष

संस्कृत विभाग
अध्यक्ष

संस्कृत विभाग
अध्यक्ष